मनेन्द्रगढ़
18 नवंबर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

लंबे समय तक चुभेगी...

@ पेज 7

रूस से देश लाया गया भारतीय छात्र अजीत का शव

अलवर में हुआ अंतिम संस्कार

जयपुर, एजेंसी। रूस में लापता हुए राजस्थान के अलवर जिले के 22 वर्षीय मेडिकल छात्र अजीत चौधरी का शव सोमवार सुबह उनके पैतृक गांव लाया गया। उनके गांव कफनवाड़ा में मातम पसरा रहा, जहां परिवार और ग्रामीण युवा छात्र को अंतिम विदाई देने के लिए जुटे।

करीब दो हफ्ते से लापता था भारतीय छात्र :अजीत चौधरी रूस के उफा शहर के बश्किर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे थे। वे 19 अक्तूबर से लापता थे। करीब दो हफ्ते बाद, 6 नवंबर को उनका शव व्हाइट रिवर के पास एक बांध में मिला। छात्र के मौत की खबर मिलते ही परिवार पर मानो आसमान टूट पड़ा।

पैतृक गांव में किया गया अंतिम संस्कार:परिजन भंवर सिंह ने बताया कि रूस में एक बार पोस्टमॉर्टम किया गया था। भारत पहुंचने के बाद सोमवार को अलवर के जिला अस्पताल में दोबारा पोस्टमॉर्टम किया गया। इसके बाद शव को गांव ले जाया गया, जहां अंतिम संस्कार किया गया।

सोनभद्र की खदान में 45 घंटे से रेस्क्यू,5 शव मिले, 9 की तलाश

सोनभद्र, एजेंसी। यूपी के सोनभद्र में खदान हादसे में दबे मजदूरों को निकालने के लिए 45 घंटे से अधिक समय से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा। NDRF–SDRF की टीमें पत्थरों को हटाने में जुटी हुई हैं लेकिन अभी तक स्पॉट तक वे नहीं पहुंच सकी हैं। पानी से भरी खदान का हर इंच रेस्क्यू को और मुश्किल बना रहा है। हर गिरते बोल्डर के साथ नई चुनौती सामने आ रही है। डीएम बीएन सिंह ने बताया कि 70 से 75 टन वजनी चट्टानों को हटाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। डॉग स्क्वायड गहराई में छिपे जीवन के किसी संकेत की तलाश में जुटा है। खदान से कुछ दूरी पर परिजन और गांववाले डेरा डाले हुए हैं। परिजन खदान के बाहर हर आवाज पर चौक जा रहे कि शायद कोई बचा हो, शायद कोई पुकार सुनाई दे जाए।

हादसा 15 नवंबर (शनिवार) को दोपहर करीब 3 बजे ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली स्थित कृष्णा माइनिंग स्टोन की खदान में हुआ था। ड्रिलिंग के दौरान पहाड़ का 100 फीट हिस्सा टूटकर गिर गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, 14 मजदूर मलबे में दब गए थे।

प्रत्यक्षदर्शी राजू यादव ने बताया था कि खदान में नौ कंप्रेशर पर कई मजदूर काम कर रहे थे। इसी बीच पहाड़ टूट गया। कुछ मजदूरों ने भागकर जान बचाई तो कुछ मलबे में दब गए। उधर, मलबे से अब तक 5 शव मिल चुके हैं। इनमें से 4 की पहचान हो चुकी है। रविवार देर रात रेस्क्यू टीम ने 2 शव बरामद किए। अभी भी 9 मजदूरों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है।

बीआरएस विधायकों की अयोग्यता का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना स्पीकर को भेजा अवमानना नोटिस

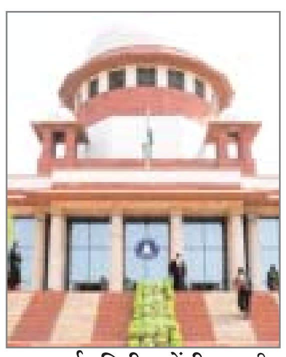

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बीआरएस विधायकों के अयोग्यता मामले पर तेलंगाना के स्पीकर को अवमानना नोटिस जारी किया है। यह नोटिस, विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने के निर्देश का पालन न करने के लिए जारी किया। बीती 31 जुलाई को मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने विधानसभा स्पीकर को निर्देश दिया था कि वे तीन महीने के भीतर बीआरएस के 10 विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लें।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना का आरोप :हालांकि स्पीकर ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद तय समयसीमा के भीतर फैसला नहीं लिया। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई, जिस पर सुनवाई के दौरान पीठ ने इसे अदालत की घोर अवमानना माना और स्पीकर को नोटिस जारी किया है। हालांकि पीठ ने तेलंगाना स्पीकर को अभी अगले आदेश तक अदालत में पेश होने से छूट दे दी है।

तेलंगाना स्पीकर कार्यालय ने भी दायर की याचिका :तेलंगाना विधानसभा स्पीकर कार्यालय की तरफ से भी सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई, जिसमें विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने के लिए आठ हफ्तों का समय और देने की मांग की गई है। इस याचिका पर भी अदालत ने नोटिस जारी किया है। स्पीकर ऑफिस की तरफ से पेश हुए वकील ने बताया कि विधायकों की अयोग्यता संबंधी चार मामलों पर सुनवाई पूरी हो चुकी है और तीन अन्य में सबूत रिकॉर्ड किए जा चुके हैं। इस पर सीजेआई ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ये अब तक पूरा हो जाना चाहिए था। यह अदालत की घोर अवमानना है।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व अवैध निर्माण और पेड़ों की कटाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, उत्तराखंड सरकार को दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तराखंड सरकार को निर्देश दिया कि जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में जो भी नुकसान हुआ है, उसकी पूरी क्षतिपूर्ति की जाए। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत में डाली गई याचिका में पेड़ों की अवैध कटाई और गैरकानूनी निर्माण के खिलाफ याचिका डाली गई थी। इसे लेकर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कई निर्देश जारी करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नियुक्त की गई केंद्रीय सशक्त समिति (सीईसी) से परामर्श कर तीन महीने के अंदर सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त करना सुनिश्चित करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सीईसी उत्तराखंड द्वारा तैयार की गई पारिस्थितिक पुनर्स्थापन योजना की निगरानी करेगी। अदालत ने राज्य सरकार को अवैध पेड़ कटाई की भरपाई के लिए कदम उठाने का भी निर्देश दिया। सीजेआई ने कहा, अगर पर्यटन को बढ़ावा देना है, तो यह इको-टूरिज्म के तौर पर होना चाहिए।

दिल्ली ब्लास्ट :एनआईए ने आतंकी डॉ. उमर को सुसाइड बॉम्बर माना

● वो कब-कहां गया, रूट रीक्रिएट करने की तैयारी; 50+ सीसीटीवी कैमरों में आई-20 कार कैद

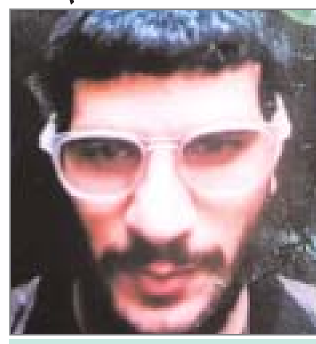

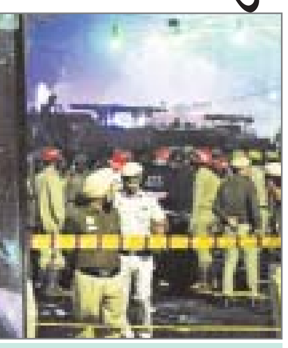

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में लाल किले के पास चांदनी चौक में 10 नवंबर को हुंडई आई20 कार में ब्लास्ट सुसाइड अटैक ही था। NIA ने रविवार को बताया कि कार चला रहा डा. उमर उल नबी एक आत्मघाती हमलावर (सुसाइड बॉम्बर) था। यह पहली बार है, जब किसी सुरक्षा एजेंसी ने ऑफिशियल तौर पर इसकी पुष्टि की है। सूत्रों के मुताबिक अब सुरक्षा एजेंसियां उमर के पूरे मूवमेंट को रीक्रिएट करने की तैयारी में हैं। इसके लिए ब्लास्ट से पहले आतंकी का पूरा रूट मैप तैयार करेगी। इसमें वह ब्लास्ट से पहले कब और कहां-कहां गया था, इसे शामिल किया जाएगा।

रूट मैप को 50 से ज्यादा CCTV कैमरों में कैद हुई आई-20 कार के फुटेज के आधार पर क्रिएट किया जाएगा। इसके जरिए यह पता लगाया जाएगा कि फरीदाबाद से दिल्ली पहुंचने तक, क्या कोई व्यक्ति उससे मिला, उसका पीछा किया या उसकी मदद की। सूत्र ने बताया कि उमर ने NCR में कितने घंटे बिताए, यह समझने के लिए सभी बिंदुओं को जोड़ना बेहद जरूरी है।

पठानकोट का डॉटर पूछताछ के बाद छोड़ा

बोला- अंबाला के बजाय दिल्ली ले गए, अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. उमर को लेकर 3 सवाल पूछे

जालंधर,एजेंसी। पंजाब के पठानकोट स्थित व्हाइट मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर रईस भट्ट से सुरक्षा एजेंसियों की पूछताछ पूरी हो गई। इसके बाद रविवार को डॉक्टर को भेज दिया गया। मेडिकल कॉलेज पहुंचे डॉक्टर भट्ट ने बताया कि उनसे दिल्ली में ब्लास्ट करने वाले डॉ. उमर नबी के बारे में 3 सवाल पूछे गए। उनसे पूछा गया कि डॉ. उमर से कहां मुलाकात हुई? कभी बातचीत या चैट हुई है क्या? डॉ. भट्ट का कहना है कि उन्होंने इन सभी सवालों का जवाब दिया। इसके बाद मेडिकल करवाकर उन्हें जाने दिया गया।

धमाके वाली जगह के पास 9 एमएम की 3 गोलियां मिली

वहीं धमाके वाली जगह के पास मलबे से पुलिस को 9 एमएम की 3 गोलियां मिली हैं, जिनमें से दो जिंदा कारतूस हैं। एक सूत्र ने रविवार को बताया कि मौके से कोई हथियार नहीं मिला। जली हुई कार के पास सिर्फ गोलियां कैसे पहुंचीं, इसकी जांच की जा रही है। यह गोलियां सिर्फ विशेष सुरक्षा यूनिट्स या परमिशन मिलने वाले लोग ही अपने पास रख सकते हैं। आम नागरिकों को इसे रखने की इजाजत नहीं है। सूत्र के अनुसार, मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों से भी उनके हथियारों की जांच करने को कहा गया, लेकिन कोई भी कारतूस गायब नहीं मिला।

महबूबा बोलीं- कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंजी,सरकार का वादा था- जम्मू-कश्मीर सुरक्षित होगा, दिल्ली ही खतरे में आ गई

श्रीनगर, एजेंसी । पीडीपी चीफ और जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि 10 नवंबर को लाल किले पर हुआ विस्फोट देश भर में बढ़ती असुरक्षा की भावना और जम्मू-कश्मीर में केंद्र की नीतियों की विफलता को दिखाता है। महबूबा ने कहा- आपने दुनिया को बताया कि कश्मीर में सब कुछ ठीक है, लेकिन कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंज रही हैं। आपने जम्मू-कश्मीर को सुरक्षित बनाने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा करने के बजाय, आपकी नीतियों ने दिल्ली को असुरक्षित बना दिया है। दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास 10 नवंबर की शाम कार ब्लास्ट हुआ था।

आर्मी चीफ बोले- ऑपरेशन सिंदूर 88 घंटे का ट्रेलर थाः

पाकिस्तान फिर मौका देगा तो जवाब और कड़ा होगा; आतंक फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि फिल्म तो शुरू भी नहीं हुई थी, बस 88 घंटे का ट्रेलर दिखा था। अगर पाकिस्तान फिर मौका देता है तो हम उन्हें बताने में पीछे नहीं हटेंगे कि जिम्मेदार देश पड़ोसियों से कैसे पेश आते हैं।

आर्मी चीफ दिल्ली में चाणक्य डिफेंस डायलॉग के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत प्रगति की बात करता है, इसलिए जो लोग आतंक फैलाते हैं, उन्हें रोकने के लिए सख्त कदम जरूरी हैं।

आर्मी चीफ ने बताया, भारतीय सेना भविष्य को जमीन से जुड़कर देखती है। हम पांच जेनरेशन के वॉरफेयर में लड़ रहे हैं और सेना उसी के अनुसार खुद को बदल रही है। पहले युद्ध में फैसले लेने में दिन लग जाते थे, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अगर युद्ध 48 घंटे में भी लड़ना पड़े तो देश की पूरी ताकत एक साथ लगानी होगी। जनरल द्विवेदी ने कहा कि असली ताकत वही होती है जब दुश्मन को यकीन हो कि अगर उसने कोई गलती की तो भारत तुरंत कार्रवाई करेगा। आज भारत की डिफेंस क्षमता इतनी मजबूत हो चुकी है कि सामने वाला देश हमारे इरादों को गंभीरता से लेता है।

सेना को मिलेंगी स्वदेशी लेजर आधारित एंटी-ड्रोन प्रणाली, अब दो किलोमीटर दूर से ही दुश्मन ड्रोन होंगे ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना और वायुसेना अब ड्रोन खतरों का मुकाबला और मजबूती से कर सकेंगी क्योंकि दोनों सेनाएं पहली बार 16 स्वदेशी ड्रोन-रोधी प्रणाली खरीदने जा रही हैं। ये नई एंटी-ड्रोन प्रणालियां दो किमी की दूरी से ही दुश्मन के ड्रोन को लेजर बीम से निष्क्रिय कर सकेंगी। हाल के वर्षों में दुश्मन देशों और आतंकी संगठनों द्वारा बढ़ते ड्रोन इस्तेमाल ने सुरक्षा एजेंसियों को चिंता में डाला है। इसी चुनौती का सामना करने के लिए सरकार और रक्षा तंत्र तेजी से कदम उठा रहे हैं। रक्षा मंत्रालय जल्द ही रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित उन्नत इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीएस मार्क-2) को मंजूरी देने की तैयारी में है। अधिकारियों के अनुसार यह प्रणाली लेजर आधारित 10 किलोवॉट बीम से लैस है, जो पहले संस्करण की तुलना में दुगुनी दूरी से दुश्मन ड्रोन को तबाह कर सकती है। पहले संस्करण की क्षमता सिर्फ एक किमी तक सीमित थी।

उन्नत लेजर हथियारों की दिशा में बड़ा कदम :नई प्रणाली की खासियत यह भी है कि यह न सिर्फ ड्रोन को मार गिरा सकती है, बल्कि उनके सेंसर और संरचना को भी क्षतिग्रस्त कर ऑपरेशन को पूरी तरह रोक देती है। भारत ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से बड़े पैमाने पर ड्रोन इस्तेमाल के बाद लेजर आधारित इंटरसेप्शन सिस्टम पर तेजी से काम कर रहा है।

शेख हसीना को फांसी की सजा सुनाई गई,मानवता के खिलाफ अपराधों में दोषी करार

ढाका में प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने के आदेश

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना और पूर्व गृहमंत्री आसदुज्जमान खान कमाल को फांसी की सजा सुनाई गई है। उन्हें ढाका की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराया है। ट्रिब्यूनल ने उन्हें 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं का मास्टरमाइंड कहा है। हसीना के फैसले को लेकर देशभर में हिंसा जारी है। सरकार ने हाई अलर्ट की घोषणा कर दी है। ढाका में 15,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इन्हें हिंसक प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दिया गया है। शनिवार देर रात से रविवार सुबह तक ढाका में दो बसों को आग लगा दी गई। फैसले के बाद हिंसा और बढ़ने की आशंका को देखते हुए देशभर में सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

शेख हसीना के बेटे बोले- मेरी मां भारत में सुरक्षित :अल जजीरा के मुताबिक शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने कुछ दिन पहले पत्रकारों से कहा था कि उन्हें पहले से पता है कि उनकी मां को मौत की सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हसीना भारत में सुरक्षित हैं और भारतीय सुरक्षा एजेंसियां उनकी पूरी रक्षा करेंगी।

वाजेद ने कहा कि शेख हसीना 5 बार प्रधानमंत्री रही हैं और देश में उनके बहुत समर्थक हैं। उनकी पार्टी अवामी लीग बांग्लादेश की दो सबसे बड़ी पार्टियों में से एक है। इसलिए वे इस फैसले को हल्के में नहीं लेंगे।

तीनों आरोपी कहां हैं?

शेख हसीना के अलावा, इस मामले में अन्य दो आरोपी पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान और पूर्व IGP चौधरी अब्दुल्ला अल-ममून हैं। तीनों आरोपियों में से शेख हसीना और असदुज्जमां फरार हैं। दोनों अब भारत में रह रहे हैं। वहीं, तीसरे आरोपी चौधरी अब्दुल्ला अल-ममून सरकारी गवाह बन चुके हैं।

पूर्व बांग्लादेशी IGP ने कोर्ट से माफी मांगी :बांग्लादेश के पूर्व IGP ममून ने कोर्ट से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मैंने कोर्ट का पूरा साथ दिया। ममून ने माना कि वह हिंसा में शामिल थे। उन्होंने बताया कि 4 लोगों ने मिलकर साजिश की। वे सभी पीएम के आवास पर रोज मीटिंग करते थे।

ममून ने कहा कि उन्होंने 36 साल की सर्विस में कोई जुर्म नहीं किया। इस घटना ने उसकी छवि खराब की है। उनकी दलील सुनने के बाद जज ने कहा है कि हम कम सजा देंगे।

मक्का से मदीना जा रहे 45 भारतीयों की मौत

उमरा के लिए जा रही बस डीजल टैंकर से टकराकर जली; सिर्फ ड्राइवर जिंदा बचा

रियाद,एजेंसी। सऊदी अरब में सोमवार देर रात एक सड़क हादसे में 45 भारतीयों की मौत हो गई। मक्का से मदीना जाते समय इनकी बस डीजल टैंकर से टकरा गई और इसमें आग लग गई। मृतकों में 18 महिलाएं, 17 पुरुष और 10 बच्चे शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, हादसे में सिर्फ बस का ड्राइवर ही जिंदा बचा।

हैदराबाद पुलिस के मुताबिक, 9 नवंबर को 54 लोग हैदराबाद से सऊदी गए थे। वे 23 नवंबर को वापस आने वाले थे। इनमें से 4 लोग रविवार को कार से अलग से मदीना गए थे। वहीं 4 लोग मक्का में रुक गए थे। दुर्घटना वाली बस में 46 लोग सवार थे।

मृतकों में ज्यादातर हैदराबाद के बताए जा रहे हैं। हादसा मदीना से लगभग 25 किलोमीटर दूर मुहरास के पास भारतीय समयानुसार रात लगभग 1:30 बजे हुआ। उस समय कई यात्री सो रहे थे। उन्हें बचने का कोई मौका नहीं मिला।

तेलंगाना सरकार ने कहा है कि वह रियाद में भारतीय दूतावास के संपर्क में है। राज्य सरकार की ओर से जारी बयान में बताया गया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिल्ली में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे दूतावास से नजदीकी तालमेल बनाकर पीड़ितों की पहचान और अन्य औपचारिकताओं में मदद करें।

12 मृतकों के नाम सामने आए : हादसे में मारे गए लोगों में से 12 भारतीय पीड़ितों की पहचान हो पाई है, उनमें अब्दुल मोहम्मद, मोहम्मद मौलाना, सोहेल मोहम्मद, मस्तान मोहम्मद, परवीन बेगम, जकिया बेगम, शौकत बेगम, फरहीन बेगम, जहीन बेगम, मोहम्मद मंजूर, मोहम्मद अली, गौसिया बेगम शामिल हैं।

भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया

जेद्दा में भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन जारी किया है। दूतावास ने कहा , सऊदी अरब के मदीना के निकट भारतीय उमरा तीर्थयात्रियों के साथ हुई दुखद बस दुर्घटना को देखते हुए , जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में 24×7 कंट्रोल रूम बनाया हेल्पलाइन का संपर्क विवरण 8002440003 है। घटना के बाद तेलंगाना सरकार ने सचिवालय में कंट्रोल रूम बनाया है, ताकि परिजन अपने परिजनों के बारे में जानकारी ले सकें। परिवारजन इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं- 79979-59754 और 99129-19545।

पीएम मोदी बोले- पीड़ितों को हरसंभव मदद दे रहे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सऊदी बस दुर्घटना पर दुख जताया। एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि रियाद में वाणिज्य दूतावास हर संभव मदद दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने X पर कहा, मदीना में भारतीय नागरिकों के साथ हुई दुर्घटना से मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। हमारे अधिकारी सऊदी अरब के अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं।

ओवैसी ने शवों को भारत लाने की अपील की

हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सऊदी अरब में भारतीय उमरा यात्रियों की बस दुर्घटना पर दुख जताया है। न्यूज एजेंसी एएनआई से फोन पर बातचीत में ओवैसी ने बताया कि उन्होंने हैदराबाद की दो ट्रैवल एजेंसियों से संपर्क किया है और यात्रियों की जानकारी रियाद स्थित भारतीय दूतावास के साथ साझा की है। उन्होंने रियाद में भारतीय दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन (DCM) अबू मैथन जॉर्ज से भी बात की। जॉर्ज ने उन्हें बताया कि स्थानीय अधिकारियों से जानकारी जुटाई जा रही है और जल्द ही अपडेट दिया जाएगा। ओवैसी ने कहा-

मैं केंद्र सरकार से, खासकर विदेश मंत्री जयशंकर से अपील करता हूं कि शवों को जल्द से जल्द भारत लाया जाए और घायलों को जरूरी चिकित्सा मुहैया कराई जाए।

धमाके की चपेट में आए एक और व्यक्ति की मौत, इलाज के दौरान अस्पताल में तोड़ा दम

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किला इलाके में हुए विस्फोट की घटना में एक और व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई है। मृतक की पहचान 55 वर्षीय विनय पाठक के रूप में हुई है। इस दुखद घटना के बाद विस्फोट में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 14 हो गई है। विनय पाठक, जो बिहार के सीतामढ़ी के मूल निवासी थे। लाजपत राय मार्केट में सीसीटीवी कैमरे का सामान लेने आए थे। एनएलजेपी में एक और घायल की मौत हुई, मृतकों की संख्या 13 पहुंची। लाल किला के पास बीते सोमवार को हुए बम धमाके में घायल जम्मू कश्मीर निवासी बिलाल पुत्र गुलाम अहमद की बृहस्पतिवार सुबह एलएनजेपी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत

हो गई। दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल से बृहस्पतिवार सुबह बिलाल की मौत के बारे में सूचना मिली। 13 नंवबर को बिलाल की मौत के साथ दिल्ली बम ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या 13 हो गई है। 28 घायलों का उपचार चल रहा था।

लालकिले बम धमाके की जांच एएनआई को: लाल किला बम धमाके की तीव्रता इतनी थी कि ब्लास्ट के बाद एक दुकान की छत पर बृहस्पतिवार सुबह एक कटा हुआ हाथ मिला। उत्तरी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार कटा हुआ यह हाथ विस्फोट स्थल से कुछ मीटर दूर जैन मंदिर के पीछे मिला। पीड़ित की पहचान सुनिश्चित करने के लिए कटे हुए हाथ को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। सीसीटीवी फुटेज में उमर धमाके से पहले मस्जिद जाते हुए दिखा दिल्ली में लाल किला के पास सोमवार शाम हुए विस्फोट का नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें उस दिन मुख्य संदिग्ध डॉ. उमर नबी को बदरपुर बॉर्डर टोल प्लाजा से दिल्ली में प्रवेश करते हुए और बाद में रामलीला मैदान के नजदीक एक मस्जिद के पास टहलते हुए देखा जा सकता है। दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बदरपुर टोल प्लाजा के फुटेज में उमर को विस्फोट के दिन 10 नवंबर को एक सफेद हुंडई आई- 20 कार चलाते हुए और सुबह 8.02 बजे टोल गेट पर रुकते हुए देखा जा सकता है। कार कुछ देर के लिए रुकती है व उमर नकदी निकालता है और आगे बढ़ने से पहले उसे टोल ऑपरेटर को सौंप देता है।

एजेंसियों के पीछे लगने का पता था: पुलिस अधिकारी ने कहा कि मास्क पहने हुए उमर बार-बार सीसीटीवी कैमरे की ओर देख रहा था। संभवतः उसे पता था कि सुरक्षा एजेंसियां उसकी तलाश में हैं। यही वजह है वह सचेत होकर अपने आस-पास की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। उसी दिन रामलीला मैदान के पास एक मस्जिद के पास की गली से एक और सीसीटीवी क्लिप में उमर एक संकरी सड़क पर चलते हुए देखा जा सकता है। वह कुछ देर के लिए अपना सिर घुमाता है तो उसका चेहरा कैमरे में दर्ज हो जाता है। पुलिस को संदेह है कि लाल किला की ओर बढ़ने से पहले वह नमाज अदा करने मस्जिद गया था। पुलिस ने कहा कि उमर नबी के संभावित संचालकों का पता लगाने तथा उसकी दिनभर की गतिविधियों की जानकारी जुटाने का प्रयास जारी हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या उसका कोई साथी था। जांच में ये बात सामने आई है कि सफेदपोश जैश का ये मोड्यूल देशभर में 32 कारों से धमाके की साजिश थी, दिल्ली कार ब्लास्ट इसी का हिस्सा था।

प्रदूषण के बीच दिल्ली में निर्माण कार्य रोकने की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने प्रदूषण के मद्देनजर दिल्ली में सभी निर्माण कार्यों को रोकने की मांग खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि इससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित होंगे। चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस तरह के कदम उठाने की बजाय हमें दीर्घकालिक समाधान के बारे में सोचना होगा। मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर को होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण की स्थिति के हिसाब से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग कदम उठाया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को पंजाब, हरियाणा, यूपी और राजस्थान सरकार के साथ बैठक कर वायु प्रदूषण संकट से निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान पर सुझाव देने को कहा, ताकि इस समस्या

का स्थायी निवारण किया जा सके। कोर्ट ने केंद्र सरकार को इसके लिए एक दिन का समय दिया है। इसके लिए कोर्ट ने सरकार को एक दिन का समय दिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो हलफनामा दाखिल कर बताएं कि क्या दिल्ली में प्रदूषण पर निगरानी के लिए इस्तेमाल हो रहे उपकरण इसके लिए सक्षम हैं। न्यायालय ने कहा कि दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे प्रदूषण स्तर पर रोक लगाने के लिए वो कड़े निर्देश जारी करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि हम विशेषज्ञों का स्थान नहीं ले सकते हैं। पर्यावरण संबंधी चिंताओं और विकास के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। निर्माण और इससे जुड़े सभी क्षेत्रों पर लाखों परिवारों की आजीविका निर्भर है, इसलिए एक व्यापक प्रतिबंध लगाने से गंभीर सामाजिक और आर्थिक नतीजे देखने को मिल सकते हैं।

गंगा-यमुना पुनरुद्धार के लिए वैज्ञानिक परियोजनाओं और प्रदूषण नियंत्रण कार्यों को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की 67वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में गंगा और यमुना नदी के वैज्ञानिक पुनरुद्धार के लिए प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं, हिमनद अध्ययन, डिजिटल प्रतिरूप निर्माण, सोनार आधारित नदी तल सर्वेक्षण, भूजल पुनर्भरण, ऐतिहासिक मानचित्रों के डिजिटलीकरण और पश्चिम बंगाल व दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण से जुडी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इन स्वीकृतियों के साथ एनएमसीजी ने नदी संरक्षण को विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वास्तविक समय जल-गतिकीय मॉडलिंग पर आधारित कर दीर्घकालिक प्रबंधन के लिए भी फैसले लिए। बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक राजीव कुमार मितल ने की। केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अनुसार, बैठक में गौरव मसालदान (संयुक्त सचिव और वित्त सलाहकार, जल संसाधन विभाग), नलिन श्रीवास्तव (उप

महानिदेशक), अनूप कुमार श्रीवास्तव (कार्यकारी निदेशक तकनीकी), एसपी वशिष्ठ (कार्यकारी निदेशक प्रशासन), ब्रिजेन्द्र स्वरूप (कार्यकारी निदेशक परियोजनाएं), भास्कर दासगुप्ता (कार्यकारी निदेशक वित्त), प्रभास कुमार (परियोजना निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य मिशन, नंदिनी घोष (परियोजना निदेशक, पश्चिम बंगाल राज्य मिशन) सहित विभिन्न राज्यों और एनएमसीजी के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यकारिणी समिति ने गंगा बेसिन में वैज्ञानिक योजना को मजबूत बनाने के लिए हिमालयी उद्गम क्षेत्र के हिमनदों की निगरानी, गंगा नदी का डिजिटल प्रतिरूप, उच्च रिजोल्यूशन सोनार आधारित नदी तल सर्वेक्षण, प्राचीन धारा मार्ग पर आधारित भूजल पुनर्भरण और ऐतिहासिक मानचित्रों के भू-स्थानिक भंडार निर्माण जैसी परियोजनाओं को स्वीकृति दी। इन अध्ययनों से जल चक्र, अवसाद प्रबंधन, बाढ जोखिम, भूजल सुरक्षा और नदी स्वास्थ्य के विस्तृत व दीर्घकालिक आंकड़े प्राप्त होंगे। पश्चिम बंगाल के सिलीगुडी में महानंदा नदी प्रदूषण नियंत्रण के लिए 361.86 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी भी दी गई, जिसके तहत 25 अवरोधन और मोड संरचनाएं, 4 उठान केंद्र, 27 एमएलडी और 22 एमएलडी क्षमता के दो अपशिष्ट शोधन संयंत्र तथा व्यापक पाइपलाइन तंत्र विकसित किया जाएगा।

खुलासा : दिल्ली के नक्शे पर नजर आने वाली झीलों को कब्जों ने सुखाया, एनजीटी की फटकार के बाद रिपोर्ट में खुली पोल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के तालाब और झीलें नक्शों में भले ही लबालब भरी नजर आती हों लेकिन जमीनी हकीकत में इनमें से कई का वजूद तक गायब हो चुका है। दिल्ली के 28 प्रमुख जल स्रोतों में से आधे से अधिक अवैध कब्जों की भेंट चढ़ चुके हैं तो कुछ की जगह कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सख्त आदेश के बाद दिल्ली वन विभाग की हालिया रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। कभी जहां पानी ही पानी नजर आता था वहां अब फार्महाउस और अनधिकृत बस्तियां खड़ी हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि इन स्रोतों का कुल क्षेत्र रेवेन्यू रिकॉर्ड में 1.5 लाख वर्ग मीटर से ज्यादा है, लेकिन जमीन पर आधा ही बचा।

मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लेते हुए एनजीटी ने फरवरी 2025 में जो रिपोर्ट मांगी थी उसके जवाब में विभाग ने बताया कि डिसिल्टिंग और बाड़ लगाने जैसे कदम तो शुरू कर दिए हैं, लेकिन अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अधर में है। रिपोर्ट से पता चलता है कि ज्यादातर स्रोत मौसमी हैं, यानी बारिश के पानी से भरते हैं। कुछ हमेशा पानी वाले (पेरिनियल) हैं, लेकिन कीचड़ और कचरे से ढके हैं। दिल्ली वन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, असोला भट्टी वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी में 'नीली झील' (नीली जहील) अच्छी हालत में है लेकिन पानी उथला है। विभाग ने बताया कि हर साल मानसून से पहले डिसिल्टिंग और बंडिंग (किनारे मजबूत करना) किया जाता है। भाटी कलां गांव जोहर में 15.673 हेक्टेयर जमीन पर अतिक्रमण

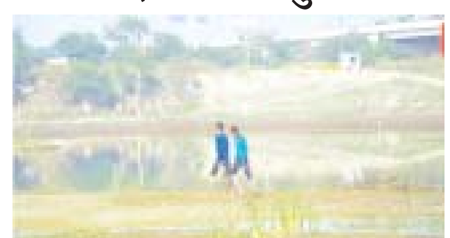

है। खसरा नंबर 1873 और 1874 पर अबादी (गांव) का कब्जा है। विभाग ने बाड़ लगाई और पेड़ लगाए, लेकिन पूरी सफाई बाकी है। चट्टरपुर मंदिर जोहड़ अच्छा चल रहा है, लेकिन आसपास अनधिकृत कॉलोनी ने घेर लिया है। यहां 14,180 वर्ग मीटर का स्रोत अब 20,746 वर्ग मीटर तक सिकुड़ गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मैदान गढ़ी के एक स्रोत पर फार्महाउस ने पूरा कब्जा कर लिया। खसरा नंबर 1004/598 पर 3 बीघा 5 बिस्वा में अवैध निर्माण है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जल्द कदम न उठे, तो दिल्ली की पानी की समस्या और गंभीर हो जाएगी। वन विभाग ने वादा किया कि अगले कुछ हफ्तों में और अपडेट देंगे। **सतबारी, देवली, नेब सराय जैसे इलाकों में सबसे ज्यादा समस्या:** रिपोर्ट में बताया गया है कि विभाग ने एसडीएम को पत्र लिखा है, लेकिन अभी स्टे टास्क फोर्स (एसटीएफ) की कार्रवाई लंबित है। शाहूरपुर के खसरा 371 पर राज विद्यालय केंद्र ने 27 बीघा 18 बिस्वा कब्जा कर लिया। यहां भी तालाब गायब।

अगस्ता वेस्टलैंड मामला : दिल्ली हाईकोर्ट ने क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की प्रत्यर्पण याचिका की खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कथित मिडिलमैन क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की याचिका पर वर्तमान रूप में सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जेम्स, जो 3,600 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले में आरोपी हैं, उन्होंने भारत-यूएई प्रत्यर्पण संधि के प्रावधान को चुनौती दी थी। जेम्स ने 1999 में हस्ताक्षरित संधि के अनुच्छेद 17 को चुनौती

दी, जो प्रत्यर्पित व्यक्ति पर न केवल उस विशेष अपराध के लिए, बल्कि उससे जुड़े अन्य अपराधों के लिए भी मुकदमा चलाने की अनुमति देता है। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति मनोज जैन की खंडपीठ ने कहा कि याचिका में कोई प्रभावी राहत नहीं मांगी गई है, इसलिए इसे वर्तमान रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि कोई प्रभावी राहत नहीं मांगी गई है।

पत्नी की हत्या के मामले में पति गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पश्चिमी जिले के महेंद्रा पार्क थाना पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में आरोपित पति को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान जहांगीरपुरी निवासी विष्णु शर्मा (31) के रूप में हुई है। आरोपित पहले भी आबकारी अधिनियम और चोरी के तीन मामलों में शामिल रहा है। पुलिस के अनुसार, आरोपित विष्णु शर्मा को शक था कि उसकी पत्नी श्वेता शर्मा के किसी व्यक्ति से अवैध संबंध हैं। इसी को लेकर दोनों के बीच आए दिन झगड़े होते रहते थे। 13 नवंबर की रात लगभग नौ बजे दोनों के बीच फिर से विवाद हुआ। जिसके दौरान आरोपित ने गुस्से में आकर पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद वह शव को उठा कर नजदीक के नाले में फेंक आया, ताकि सबूत नष्ट हो जाएं। उत्तर पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने सोमवार को बताया कि 14 नवंबर की शाम 4.30 बजे पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली। जिसमें जहांगीरपुरी के इंडस्ट्रियल एरिया में नाले के पास एक महिला का शव मिलने की सूचना दी गई थी।

नेपाल में मधेश सरकार का गठन रद्द करने की मांग, विधायकों का सातवें दिन भी धरना जारी

काठमांडू, एजेंसी। मधेश सरकार का गठन रद्द करने की मांग करते हुए सात दलों के विधायकों का सोमवार को सातवें दिन भी मधेश भवन के सामने धरना जारी रहा। इसी मामले में दायर रिट याचिका पर आज सर्वोच्च अदालत में सुनवाई हो रही है। नेपाली कांग्रेस, जसपा नेपाल, जनमत पार्टी, नेकपा माओवादी केंद्र, लोसपा, नेकपा एकीकृत समाजवादी और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी एक सप्ताह से मधेश भवन के बाहर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

इन सात दलों के गठबंधन का कहना है कि संविधान की धारा 168 (3) के अनुसार

तत्कालीन प्रदेश प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी ने सबसे बड़े दल के रूप में नेकपा एमाले के विधायक दल के नेता सरोज कुमार यादव के नेतृत्व में सरकार का गठन किया था, जो असंवैधानिक है, इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए। मधेश प्रदेश सभा सदस्य राजकुमार गुप्ता ने अदालत पर विश्वास जताते हुए कहा कि न्यायालय संविधान की रक्षा करेगा और लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रखेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अदालत गैर-संवैधानिक समूह को न्याय के माध्यम से पराजित करेगी।

रूस से व्यापार करने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाने का कानून ला रही ट्रंप सरकार, भारत की बढ़ेंगी मुश्किलें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन जल्द ही एक नया कानून बनाने जा रहा है, जिसके तहत रूस से व्यापार करने वाले देशों पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसे समर्थन दे दिया है। रविवार को मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनकी पार्टी एक विधेयक लाने जा रही है, जिसके तहत रूस से व्यापार करना किसी भी देश के लिए बेहद मुश्किल हो जाएगा।

विधेयक को लेकर ट्रंप क्या बोले: ट्रंप ने कहा कि रूस के व्यापारिक साझेदार देश यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने के लिए जिम्मेदार हैं, खासकर रूस

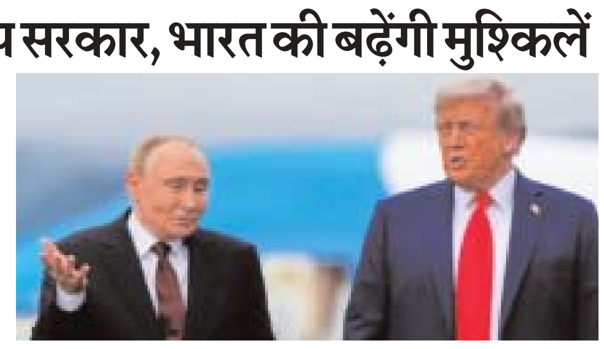

से कच्चा तेल और गैस खरीदने वाले देश। ट्रंप ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऐसा विधेयक लाने जा रही है, जिसमें रूस से व्यापार करने वाले देशों पर काफी कड़े प्रतिबंधों का प्रावधान है।

भारत के लिए हो सकती है परेशानी: रूस से व्यापार करने वाले देशों में भारत और चीन शामिल हैं। ऐसे में अमेरिका के इस नए कानून से भारत की परेशानी बढ़ सकती है। अमेरिका पहले ही भारत पर रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त टैरिफ लगा चुका है। अमेरिका का मानना है कि रूस के यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने में भारत और चीन का प्रमुख योगदान है। नए सकती है।

जापान, ताइवान पर चीन के साथ बढ़ते विवाद को शांत करने की कोशिश में

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने ताइवान को लेकर चीन के साथ तेज हो रहे विवाद को कम करने के लिए चीन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने का फैसला किया है। जापान के मीडिया रिपोर्टों में सोमवार यहां प्रकाशित एक रिपार्ट के अनुसार जापानी विदेश मंत्रालय के एशिया और ओशिनिया ब्यूरो के महानिदेशक मासाआकी कनाई इस सप्ताह चीन की राजधानी बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष लिउ जिनसोंग से मिलेंगे। दोनों देशों के बीच यह विवाद तब भड़का जब प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने इस महीने की शुरुआत में जापानी सांसदों को बताया कि ताइवान पर चीनी हमला जापान के अस्तित्व

को खतरे में डाल सकता है और उसके जवाब में सैन्य प्रतिक्रिया दी जा सकती है। हालांकि जापान की पिछली सरकारें इस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करने से बचती रहीं ताकि चीन को उकसाया न जाए, जो स्वशासित द्वीप पर अपना दावा करता है।

इस बीच मीडिया खबरों के मुताबिक संभावना है कि बैठक में कनाई के प्रधानमंत्री ताकाइची की टिप्पणी का स्पष्टीकरण देंगे कि प्रधानमंत्री का बयान जापान की सुरक्षा नीति में किसी बदलाव का परिचायक नहीं है और चीन से संबंधों को और नुकसान पहुंचाने वाले कदमों से बचने का आग्रह करेंगे। जापान के मुख्य मंत्रिमंडल सचिव ने नियमित प्रेस ब्रिफिंग में कनाई की संभावित चीन यात्रा के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इस बाबत विभिन्न संचार चैनल खुले हुए हैं और बातचीत हो रही है। ताइवान जापान के सबसे पश्चिमी द्वीपों से महज 110 किलोमीटर (68 मील) दूर स्थित है और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के पास है। इन्हीं मार्गों पर जापान तेल और गैस की आपूर्ति के लिए निर्भर है। जापान अमेरिकी सैन्य शक्ति का भी सबसे बड़ा केंद्र भी है जो अमेरिका के बाहर स्थित है।

कनाई ने चीन की अपने नागरिकों को जापान की यात्रा से बचने संबंधी परामर्श का उल्लेख करते हुए कहा, यह रणनीतिक और आपसी लाभकारी संबंध को बढ़ावा देने की व्यापक दिशा के अनुरूप नहीं है। हमने चीनी पक्ष से उचित कदम उठाने का दृढ़ अनुरोध किया है। जापानी प्रधानमंत्री ताकाइची को इस सप्ताह के अंत में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से सीधे बात करने का मौका मिल सकता है, जहां दोनों की उपस्थिति की उम्मीद है। उधर ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने न्यू ताइपेई में सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि चीन जापान पर बहुआयामी हमला कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सतर्क रहने का आह्वान करता हूं और चीन से भी संयम बरतने तथा एक महाशक्ति के अनुरूप आचरण करने का आग्रह करता हूं। उसे क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए परेशानी पैदा करने से बना चाहिए। चीन और जापान के बीच यह विवाद सात नवंबर को ताकाइची की टिप्पणी के साथ भड़का, जो उनकी चीनी नेता शी जिनपिंग से मुलाकात के एक सप्ताह बाद आई थी। बैठक में उन्होंने चीन के साथ स्थिर संबंधों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई थी।

नशे में बालकनी से गिरकर युवक की मौके पर ही मौत, पारिवारिक विवाद से था परेशान

नोएडा, एजेंसी। ईकोटेक- 3 कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत हल्द्वानी में एक 30 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान नवरत्न निवासी गांव बदरका थाना छतारी जिला बुलंदशहर के रूप में हुई है। युवक फिलहाल हल्द्वानी में किराये पर रहता था। वह कोतवाली क्षेत्र के धर्मकांटे पर काम करता था। पुलिस के अनुसार शनिवार देर रात रात नवरत्न नशे की हालत में बालकनी से गिर या जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस का कहना है कि जांच में पता चला है कि मृतक नवरत्न का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। घरेलू कलह के चलते उसकी पत्नी घर छोड़कर अपनी बहन के पास चली गई थी। इसके बाद नवरत्न बीते दो दिनों से किराये के मकान में अकेला रह रहा था। परिजनों ने पुलिस को बताया गया कि वह पारिवारिक तनाव, उदासीनता और नशे की आदत के कारण दंपत्ति के बीच आए दिन झगड़ा होता रहता था।पड़ोसियों ने भी बताया कि नवरत्न पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान दिखाई दे रहा था। आशंका है नशे की हालत में संतुलन बिगड़ने से वह बालकनी से नीचे जा गिरा होगा। वहीं परिजनों का आरोप है कि युवक की हत्या कर शव को बालकनी से फेंका गया है। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु की वास्तविक वजह स्पष्ट हो पाएगी। परिवारजन को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि प्रथमदृष्टया मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार का कहना है कि पर सभी पहलुओं की जांच की जा रही

40 साल की महिला की धारदार हथियार से हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। महेंद्र पार्क इलाके में रविवार सुबह 40 साल की महिला की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। शव आदर्श नगर रेलवे स्टेशन के शेड संख्या 2 के पीछे झाड़ियों के अंदर मिला है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस महिला की शिनाख्त करने में जुटी है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपातयुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि रविवार सुबह सब्जी मंडी थाना के एएसआई धर्मेंद्र से सूचना मिली कि करीब 40 साल की महिला का शव रेलवे ट्रैक के पास पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही महेंद्र पार्क थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आदर्श नगर रेलवे स्टेशन के शेड संख्या 2 के पीछे झाड़ियों के अंदर 40 साल की महिला अर्धनग्न अवस्था में पड़ी मिली। उसके चेहरे और सिर पर कई चोटों के निशान और गहरे घाव थे। उसपर धारदार हथियार से हमले किए गए थे। घटनास्थल के पास से पुलिस ने संदिग्ध हथियार और महिलाओं व पुरुषों की एक जोड़ी चप्पलें भी बरामद कीं। पुलिस फुटेज के जरिए आरोपी की पहचान कर रही है।

एकतरफा प्यार बना खून की वजह, पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पूर्व दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में शुक्रवार को तरफा प्यार में युवक की बरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या की इस गुत्थी को सुलझाते हुए वारदात में शामिल पांच आरोपियों प्रिंस वर्मा, अमन उर्फ बुद्धा, नीरज, अंगद और आशीष को पकड़ा है। आरोपियों के पास से वारदात के समय पहने हुए कपड़े और स्कूटी बरामद की है।दक्षिण पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि रोशन आरोपी प्रिंस की प्रेमिका से एक तरफा प्यार करता था। कई बार प्रिंस ने रोशन को समझाया कि वह उसकी प्रेमिका से दूर रहे। लेकिन वह नहीं माना। इसी वजह से प्रिंस ने रोशन को सबक सिखाने की ठानी। शुक्रवार रात को प्रिंस ने अपने साथियों के साथ मिलकर रोशन की हत्या कर दी। शुक्रवार देर रात करीब 11.52 बजे पीसीआर पर वारदात की सूचना मिली। रोशन कल्याण कैंप, ओखला फेज एक में परिवार के साथ रहता था। सूचना के आधार पर पुलिस ने पहले आरोपी प्रिंस और अमन उर्फ बुद्ध को गिरफ्तार कर लिया। बाद में नीरज, आशीष और अंगद को गिरफ्तार कर लिया गया।

झाड़ियों के पास मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी जिले के कीर्ति नगर थानाक्षेत्र में सोमवार सुबह रेलवे लाइन के पास घनी झाड़ियों से एक युवक का शव मिला। सुबह मिली पीसीआर कॉल के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। जांच में मृतक की पहचान अंगद (32) के रूप में हुई। वह बसई दारापुर में रहता था और मूल रूप से संत कबीर नगर (उप्र) का निवासी था। मृतक लकड़ी पॉलिश का काम करता था और मायापुरी की एक फैक्टरी में मजदूरी करता था। पुलिस अधिकारी के अनुसार परिजनों से पूछताछ करने पर पता चला कि अंगद रविवार रात तक घर नहीं लौटा था। लगातार फोन करने के बावजूद उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। परिवार ने सोचा कि वह शायद दोस्तों के साथ रुका होगा, लेकिन सुबह तक घर न पहुंचने पर वे चिंतित हो उठे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इधर सोमवार सुबह करीब सात बजे एक व्यक्ति रेलवे लाइन के पास से गुजर रहा था, तभी झाड़ियों में पड़ी एक लाश पर उसकी नज़र गई। करीब जाकर देखने पर उसने मृतक की पहचान अंगद के रूप में की और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर मौजूद पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने बताया कि मृतक के गले पर एक गहरा धारदार हथियार का घाव पाया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मृत्यु स्वाभाविक नहीं बल्कि संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। प्राथमिक जांच में मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर मामले की जांच कर रही है।

दनकौर-सिकंदराबाद रोड पर ट्रैक्टर ने देवर-भाभी समेत पांच को रौंदा, तीन की मौत ; बच्चों की हालत नाजुक

नोएडा, एजेंसी। दनकौर-सिकंद राबाद रोड पर कनारसी गांव के पास रविवार सुबह तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दो अलग-बाइक पर सवार पांच लोगों को रौंद दिया। सभी को जिम्स अस्पताल ले जाया गया। जहां देवर-भाभी समेत तीन को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल बच्चों को भर्ती करके उपचार दिया जा रहा है।

सांसद ने कबड्डी खेलकर बढ़ाया उत्साह,मशाल यात्रा निकालकर किया 'खेल महोत्सव' का आगाज

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। 'सेवा पखवाड़ा' के तहत सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत हो गई है। 21 सितंबर से 25 दिसंबर तक चलने वाले इस महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन ऊर्जा और उत्साह के साथ किया गया। सीधी लोकसभा के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने स्वयं मशाल यात्रा का नेतृत्व किया।

शहर के कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने इस यात्रा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों के उत्साह और खेल भावना ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहां नागरिकों ने तालियों, जयघोष और फूल वर्षा से प्रतिभागियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने खुद कबड्डी खेलकर युवाओं का उत्साह बढ़ाया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब साझा किया जा रहा है, जिसमें वे मैदान में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते दिख रहे हैं।

कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष देव कुमार सिंह, जनपद पंचायत सीधी के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पूनम सोनी, सामाजिक संगठनों के सदस्य और कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सांसद बोले- खेल मनोरंजन नहीं, अनुशासन भी है: सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे महोत्सव युवाओं की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ समाज में एकता और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।

आयोजन समिति के अनुसार, आने वाले दिनों में एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल और कुश्ती सहित कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में युवाओं के भाग लेने की उम्मीद है।

इटमा में युवक की मौत, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया; संदिग्ध से पूछताछ

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। सरई थाना क्षेत्र के इटमा गांव में सोमवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर मिला। मृतक की पहचान राजेंद्र साकेत उर्फ पप्पू के रूप में हुई है। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और आरोप लगाया कि युवक की मौत पिटाई के कारण हुई है। मृतक की बहन सुभद्रा साकेत ने पुलिस को बताया कि रविवार शाम राजेंद्र का गांव के ही रवि साकेत से विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर रवि साकेत ने कथित तौर पर लाठी-डंडों से राजेंद्र की पिटाई की थी। सुभद्रा के अनुसार, कुछ ग्रामीणों ने मारपीट के बाद उनके भाई को घर तक पहुंचाया था। सोमवार सुबह जब राजेंद्र नहीं उठा, तो परिवार के लोग उसके कमरे में गए और उसे मृत पाया। परिजनों का दृढ़ विश्वास है कि रवि साकेत द्वारा की गई पिटाई के कारण ही राजेंद्र की मौत हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सरई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

एक दिन पहले हुआ था झगड़ा: थाना प्रभारी जितेंद्र भदौरिया ने बताया कि घटना संदिग्ध लग रही है। उन्होंने कहा, 'मृतक के शरीर पर कुछ चोट के निशान हैं, लेकिन कोई स्पष्ट प्राणघातक चोट दिखाई नहीं दे रही है। मृतक का एक दिन पहले झगड़ा हुआ था, जिसमें मारपीट की पुष्टि हुई है।

महिला पटवारी पर कुल्हाड़ी से हमला करने की कोशिश, फसल सर्वे में लापरवाही और कम मुआवजा को लेकर विवाद; आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। जुगवारी में एक महिला पटवारी पर कुल्हाड़ी से हमले का प्रयास किया गया। पटवारी करुणा पांडेय ग्राम पंचायत में फसल क्षति सर्वे का शासकीय कार्य कर रही थीं, तभी आरोपी सतीश जायसवाल ने उन पर हमला करने की कोशिश की और गाली-गलौज की। इस घटना के बाद पटवारी संघ ने कोतवाली थाने में हंगामा किया और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के जुगवारी गांव में हुई। पटवारी करुणा पांडेय फार्मर आईडी रजिस्ट्रेशन और फसल क्षति सर्वे का कार्य कर रही थीं। इसी दौरान आरोपी सतीश जायसवाल अपनी मोटरसाइकिल से मौके पर पहुंचा। उसने अपने खेत के मुआवजे की मांग को लेकर

पटवारी से बहस शुरू कर दी।

महिला पटवारी ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई: बहस के दौरान आरोपी सतीश जायसवाल ने हाथ में कुल्हाड़ी लेकर पटवारी करुणा पांडेय के साथ गाली-गलौज की। जब महिला पटवारी ने आपत्ति जताई, तो आरोपी ने उन पर हमला करने का भी प्रयास किया। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने हस्तक्षेप कर आरोपी को वहां से हटाया। घटना के बाद महिला पटवारी ने अपने साथी पटवारियों के साथ कोतवाली पहुंचकर मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने महिला पटवारी की शिकायत पर आरोपी सतीश जायसवाल के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पटवारी संघ के सदस्यों ने विरोध में थाने में धरना दिया: इस घटना की जानकारी मिलने पर पटवारी संघ के सदस्य भी कोतवाली थाने पहुंचे। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए थाने में धरना दिया। पटवारियों ने मांग की कि जब तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक वे अपना कोई भी शासकीय कार्य नहीं करेंगे। काफी समय तक चले हंगामे के बाद कोतवाली प्रभारी राघवेंद्र तिवारी ने पटवारियों को समझाया-बुझाया। पुलिस ने उन्हें आरोपी की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद पटवारी शांत हुए। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक टीम रवाना कर दी है।

तीन बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी, निर्वाचक नामावली में लापरवाही

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। धौहनी विधानसभा क्षेत्र-82 के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने तीन बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इन अधिकारियों पर निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में लापरवाही बरतने और गैरमौजूद रहने का आरोप है। कलेक्टर ने इनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करने का प्रस्ताव भी भेजा है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का कार्य 28 अक्टूबर से शुरू हो चुका है। इस कार्यक्रम के तहत अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाना निर्धारित है। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए धर्मजीत सिंह करमाई,

छविलाल नापित चमराडोल और शिवशरण सिंह सेमरिहा को बीएलओ नियुक्त किया गया था। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने बताया कि 15 नवंबर को क्षेत्र भ्रमण के दौरान ये तीनों बीएलओ अपने कार्यक्षेत्र में गैरमौजूद पाए गए। उनके साथ संलग्न शासकीय सेवकों की ओर से भी सहयोग न किए जाने की जानकारी मिली। इसे निर्वाचक नामावली जैसे महत्वपूर्ण कार्य में संबंधित कर्मचारियों की ओर से असहयोग कर बाधा उत्पन्न करना माना गया है, जो सौंपे गए कर्तव्यों का उल्लंघन है।

एनएच 39 पर तेज रफ्तार में केमिकल टैंकर-बल्कर की भिड़ंत,टैंकर ड्राइवर को आई चोट; दूसरा चालक ट्रक समेत फरार

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जियावान थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-39 पर आज सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। केमिकल से भरे एक टैंकर और एक बल्कर ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में केमिकल टैंकर का चालक घायल हो गया, वहीं दूसरा चालक अपने वाहन सहित मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि केमिकल टैंकर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में टैंकर चालक सुरेश कुमार को मामूली चोटें आईं। उन्हें तत्काल देवसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने बताया कि सुरेश कुमार की हालत सामान्य है और वह खतरे से बाहर हैं।

फ्लाई ऐश बल्कर का चालक ट्रक सहित मौके से फरार: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे का मुख्य कारण तेज रफ्तार बताया जा रहा है। दोनों वाहन हाईवे पर तेज गति से चल रहे थे, तभी अचानक उनकी भिड़ंत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही जियावान थाना पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित किया। हादसे के बाद फ्लाई ऐश बल्कर का चालक ट्रक सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस अब उसकी तलाश में जुट गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इस घटना के कारण एनएच 39 पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में पुलिस टीम ने सुचारु करवा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरकारी राशन चोरी के 5 चोर गिरफ्तार, रेकी कर करते थे चोरी; आरोपियों से 10 लाख का सामान बरामद

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। देवलौंद पुलिस ने शासकीय राशन दुकानों से अनाज चोरी करने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी रीवा जिले के निवासी हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का अनाज और घटना में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया है। पुलिस ने देवलौंद की शासकीय दुकान जनकपुर और धरी नंबर 2 बाणसागर में हुई चावल और गेहूं की चोरी की घटनाओं का खुलासा किया है।

इन घटनाओं के बाद पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज मिला था, जिसमें चोरी कर अनाज एक वाहन में ले जाया जा रहा था। इसी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अपनी पड़ताल शुरू की।

दो सोसायटियों से 127 बोरी गेहूं और 217 बोरी चावल की चोरी बाणसागर स्थित सोसायटी धरी नंबर 2 में 8 नवंबर की रात अज्ञात आरोपियों ने ताला तोड़कर 127 बोरी गेहूं और 57 बोरी चावल, कुल 2,57,600 रुपए का अनाज चुराया था।

कोडार बांध की नहर 6 साल से टूटी, कई किसानों को सिंचाई के लिए नहीं मिल रहा पानी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कुसमी ब्लॉक में कोडार बांध की मुख्य नहर पिछले 6 सालों से तीन अलग-अलग स्थानों पर टूटी है। सिंचाई विभाग ने इसकी मरम्मत के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे क्षेत्र में किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। नहर टूटने के कारण बांध का पानी व्यर्थ ही नालों में बह जाता है। इससे कुछ किसानों की जमीन में अतिरिक्त पानी भरने से फसलें सड़ जाती हैं, जबकि कई किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पाता, जिससे बुवाई प्रभावित होती है। इस गंभीर स्थिति के कारण सैकड़ों किसान आगामी गेहूं की बुवाई को लेकर चिंतित हैं। किसानों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए कई बार प्रशासन और सिंचाई विभाग को आवेदन दिए हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन पर बैठक, आयोग अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों व आमजन से सुझाव लेने के निर्देश दिए

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। मध्य प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की एक महत्वपूर्ण बैठक सिंगरौली कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। आयोग के अध्यक्ष एस.एन. मिश्रा ने इसकी अध्यक्षता की। इस दौरान आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह, कलेक्टर गौरव बैनल और पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री भी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले की प्रशासनिक इकाइयों जैसे उपखंड, तहसील, जनपद और विकासखंडों के परिसीमन, सृजन और उनकी सीमाओं में तर्कसंगत परिवर्तन पर विस्तृत चर्चा करना था। अध्यक्ष एसएन मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रशासनिक इकाई के पुनर्गठन से पूर्व जनप्रतिनिधियों और आमजन से व्यापक चर्चा की जाए। उनकी राय के आधार पर आपसी समन्वय स्थापित कर

राजस्व सीमाओं के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कलेक्टर द्वारा तैयार किए गए सुझाव और प्रस्ताव आयोग के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। नई इकाइयों के गठन में जनसंख्या संतुलन, औद्योगिक क्षेत्र, भौगोलिक दूरी और बिजली, पानी, सड़क व शिक्षा जैसी स्थानीय सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आयोग ने मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार कर लिए हैं और प्रश्नावली जारी कर आम जनता से सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। इन सुझावों की समीक्षा राजस्व स्तर पर की जाएगी, जिसमें गांवों और तहसीलों की भौगोलिक निकटता को प्राथमिकता दी जाएगी। आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह ने आयोग की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक संरचना, प्रश्नावली, भौगोलिक तत्वों, संरचनात्मक सुविधाओं, जनसंख्या घनत्व, सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर गौरव बैनल ने आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप शीघ्र ही प्रस्ताव तैयार कर भेजने का आश्वासन दिया।

रेलवे स्टैंड ठेकेदार ने 10 की जगह लिए 50 रुपए, शहडोल में शिकायत वापस लेने युवक पर बना रहे दबाव

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी रेलवे स्टेशन पर स्टैंड ठेकेदार के कर्मचारियों के अवैध वसूली का मामला सामने आया है। एक युवक ने बाइक पार्किंग के निर्धारित 10 रुपए की जगह 50 रुपए वसूले जाने की शिकायत टोल फ्री नंबर पर दर्ज कराई, जिसके बाद अब ठेकेदार उस पर शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहा है। ब्यौहारी के वार्ड नंबर 5 निवासी धीरेंद्र कुमार पटेल अपनी बीमार मां के साथ शक्तिपुंज ट्रेन से कटनी गए थे और इंटरसिटी से लौटे। उन्होंने अपनी बाइक रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ी की थी। ठेकेदार के कर्मचारियों ने उन्हें एक पर्ची दी थी, जिसमें बाइक पार्किंग का शुल्क 10 रुपए निर्धारित था। आठ घंटे बाद जब धीरेंद्र अपनी बाइक लेने स्टैंड पहुंचे, तो वहां मौजूद कर्मचारी ने उनसे 50 रुपए की मांग की। धीरेंद्र ने इसका विरोध किया, जिसके बाद कर्मचारी भड़क गया और धमकाने लगा। धीरेंद्र ने इस घटना का वीडियो भी बना लिया, जिसमें कर्मचारी 50 रुपए मांगता दिख रहा है। बाद में धीरेंद्र ने 50 रुपए देकर अपनी बाइक ली और मां के साथ घर लौट आए।

टोल फ्री नंबर पर की शिकायत: घर लौटने के बाद पीड़ित धीरेंद्र ने रेलवे के टोल

बीएमएस ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन,ठेका श्रमिकों के वेतन विसंगतियों को दूर करने की मांग

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। बीएमएस ने आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा सिंगरौली में बीएमएस ने आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा सिंगरौली में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) मध्यप्रदेश ने आज कलेक्टर को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन मध्यप्रदेश के विभिन्न विभागों, मंडलों और इकाइयों में कार्यरत हजारों आउटसोर्स एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर दिया गया।

इसमें श्रमिकों की सेवा सुरक्षा, नियमितीकरण, न्यूनतम वेतन लागू करने और वेतन विसंगतियों को दूर करने जैसी

प्रमुख मांगें शामिल हैं। संघ ने बताया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे कर्मचारी हैं जो वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, नगर निगम और बिजली कंपनियों सहित विभिन्न सरकारी कार्यालयों में संविदा या आउटसोर्स व्यवस्था के तहत काम कर रहे हैं। इन कर्मचारियों को न तो स्थायी कर्मचारी जैसी सुरक्षा मिलती है और न ही समय पर उचित वेतन। बीएमएस ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा की तर्ज पर मध्यप्रदेश सरकार से भी आउटसोर्स श्रमिकों के स्थायीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि कई विभागों में तकनीकी कर्मचारियों को निर्धारित मानदेय से कम राशि दी जा रही है, जबकि शासन के आदेश उच्च दरों का प्रावधान करते हैं। भारतीय मजदूर संघ ने कलेक्टर के माध्यम से राज्य सरकार को चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो संगठन एक व्यापक आंदोलन करेगा। संघ ने कहा कि श्रमिक लगातार कम वेतन, असुरक्षित नौकरी और ठेकेदारों की मनमानी से परेशान हैं।

सरकार को शीघ्र एक उच्चस्तरीय समिति बनाकर सभी लंबित मामलों का निराकरण करना चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारी और संघ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने दो बीएलओ को किया सस्पेंड, एसआईआर में लापरवाही

55 जिलों में सबसे पीछे, 12 दिनों में 0.73' प्रगति दर्ज

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिला मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में पूरे प्रदेश में सबसे पीछे है। 4 नवंबर से शुरू हुए इस अभियान के 12 दिनों में जिले में केवल 0.73 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है। 55 जिलों की रैंकिंग में शहडोल अंतिम पायदान पर है। इस लापरवाही के चलते कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने दो बीएलओ को सस्पेंड कर दिया है। कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह ने ऊषा पारस (प्राथमिक शिक्षक, मिडिल स्कूल पाण्डवनगर) और मान सिंह धुर्वे (प्राथमिक शिक्षक, प्राइमरी स्कूल सिन्दुरी भरीं) को सस्पेंड किया है। इन पर निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्य में लापरवाही और उदासीनता बरतने का आरोप है। कलेक्टर ने

चेतावनी दी है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में किसी भी स्तर पर देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिले में ऑनलाइन सत्यापन की स्थिति खराब: जिले में ऑनलाइन सत्यापन की स्थिति भी खराब रही, जिसमें केवल 1.43 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो सका। बीएलओ का कहना है कि पोर्टल पर लॉगिन संबंधी समस्याओं के कारण शुरुआती दिनों में काम बाधित हुआ। कई बीएलओ को 10-10 घंटे फील्ड में रहने के बावजूद प्रमाणन नहीं मिल पा रहा था। इसके अलावा, प्रपत्र भरने, आधार लिंकिंग और संशोधन के कार्यों में भी बार-बार तकनीकी दिक्कतें सामने आईं। मतदाता सूची के घर-घर सत्यापन शुरू होने के बाद बीएलओ पर दस्तावेजों के मिलान का दबाव भी बढ़ गया है। जिला कार्यालय ने तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए अलग से सपोर्ट टीम लगाने की बात कही है, लेकिन बीएलओ का दावा है कि फील्ड में मोबाइल नेटवर्क और सर्वर की समस्या सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है।

ट्रंप ने फोड़ा परमाणु बम!

संपादकीय

नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत रखने वाले और तमाम झूठ-प्रपंच का सहारा लेने वाले अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप क्या सार्वजनिक बयान देकर दुनिया को बताएंगे कि अमरीका ने एक और परमाणु बम परीक्षण किया है? परमाणु परीक्षण 19-21 अगस्त के बीच किया गया, जबकि अलास्का में 15 अगस्त को राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात हुई और लंबी बातचीत भी हुई, लेकिन 14 नवंबर को यह खबर सामने क्यों लाई गई कि अमरीका ने नेवादा के मरुस्थली रेत वाले टोनोपा टेस्ट रेंज में परमाणु बम का परीक्षण किया? तीन महीने तक परीक्षण को छिपा कर क्यों रखा गया? परीक्षण किए गए बम को बी 61-12 ग्रेविटी परमाणु बम नाम दिया गया है। यह जापान के हिरोशिमा पर 1945 में गिराए गए एटम बम से 24 फीसदी अधिक ताकतवर बम बताया जा रहा है। हिरोशिमा बम हमले में 1.40 लाख लोग मारे गए थे। करीब 38,000 बच्चों की भी अकाल मौत हुई थी। 1945 के बाद एक बेहद लंबा वक्त बीत चुका है। क्या अमरीका ने परमाणु परीक्षण कर एक बार फिर परमाणु हथियारों की होड़ शुरू कर दी है और दुनिया को 'परमाणु युद्ध' के मुहाने पर ला खड़ा किया है? बीते दिनों रूस ने बुरिवेस्निक और पोसाइडन सरीखी विनाशकारी मिसाइलों के परीक्षण किए थे, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने कड़ी आलोचना की थी और अमरीका द्वारा परमाणु परीक्षण करने की लगातार धमकी दी थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने यहां तक बयान दिया था कि रूस, चीन, उत्तरी कोरिया, पाकिस्तान जैसे देश लगातार परमाणु परीक्षण कर रहे हैं और ये परीक्षण भूमि के नीचे किए जाते हैं। यदि जमीन हिलती है, तो उसे भूकंप करार दिया जाता है। बहरहाल यह सच अब सामने आया है कि अमरीका तो अगस्त में ही परमाणु बम का परीक्षण कर चुका है और परीक्षण के वीडियो 'पेंटागन' को भेजे गए हैं। यह परीक्षण राष्ट्रपति ट्रंप की अनुमति के बाद ही किया गया है। यह कथित परमाणु बम एफ-35 लड़ाकू विमान से गिराया गया और एरिया-51 में 'सीक्रेट टेस्ट' किया गया, जो पूर्णतः सफल रहा। यही नहीं, एटम बम के उपकरणों के भी परीक्षण किए गए। अमरीका ने 1992 में अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था। उससे पहले 1990 में सोवियत संघ परमाणु परीक्षण कर चुका था।

1996 में चीन और फ्रांस ने अपने परमाणु परीक्षण किए। भारत और पाकिस्तान ने मई, 1998 में परीक्षण किए। उसी दौर में परमाणु परीक्षण पर व्यापक और आंशिक प्रतिबंध लगाने वाली संधियां हुई, हालांकि भारत ने सीटीबीटी पर हस्ताक्षर नहीं किए। बहरहाल अमरीका के पास तो 1945 में ही ऐसा एटम बम था, जिसने हिरोशिमा और नागासाकी सरीखे जापानी शहरों को मिट्टी-मलबा बना दिया था।

नए भारत के विराट नेतृत्व के पक्ष में बिहार का जनादेश

आचार्य संजय तिवारी

बिहार के चुनाव परिणाम आ चुके। जनादेश की आंधी में भारत विरोधी जुमलों का नामोनिशान मिट गया। बिहार की जनता ने साफ संदेश दे दिया कि ज्ञान और संस्कृति की धरती पर अपशब्दों, गलियों, संस्कृति पर आघात और सनातन विरोधी साजिशकर्ताओं के लिए अब कोई जगह नहीं है। बिहार ने नए भारत के विराट नेतृत्व में गजब की आस्था व्यक्त किया है। नरेन्द्र मोदी पर भरोसा, अमित शाह की रणनीति और एनडीए के सभी दलों में अद्भुत सामंजस्य ने भारत की राष्ट्रीय राजनीति को भी स्थायित्व प्रदान किया है। पूरे चुनाव प्रबंधन की रणनीति के शिल्पी अमित शाह की दूरगामी दृष्टि है जिसने इस एक चुनाव के माध्यम से ही केंद्र की सरकार को भी बहुत सलीके से और मजबूत बना दिया है। गाहे-बगाहे केंद्र सरकार की अस्थिरता के सपने देखने वालों की अब नींद जरूर टूट जाएगी। चुनाव आयोग समेत देश की लगभग सभी संवैधानिक संस्थाओं को बार बार कठघरे में खड़ा कर लोगों को भटकाने की राहुल गांधी की योजना को भी इस परिणाम ने ध्वस्त कर दिया है। इस चुनाव में मोदी और नीतीश को लेकर महिलाओं ने जो उत्साह दिखाया वह अभूतपूर्व कहा जाएगा।

वास्तव में बिहार चुनाव की अवधि और इसके परिणाम की गहराई को देखने से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ रहे हैं। यह चुनाव वास्तव में एक लिटमस परीक्षण ही था जिसकी वास्तविकताओं को भी सामने लाने में डर लग रहा था। विपक्षी इंडी गठबंधन की धमकी और भाषा ने अनेक सर्वे एजेंसियों को वास्तविकता परोसने नहीं दिया। सब डरे हुए थे। जब बिहार में चुनाव प्रचार शुरू हुआ था तब वोट चोरी के आरोपों के साथ अत्यंत उपद्रवी अंदाज में कांग्रेस और राजद ने अभियान चलाया। राहुल गांधी की आक्रामकता से अब सभी परिचित हैं। उन लोगों को यह लग रहा था कि बिहार के नौजवान उनकी आक्रामकता और शैली के प्रभाव में जरूर आएंगे और नेपाल की जेन जेड क्रांति जैसा कुछ हो जाएगा। बिहार में दक्षिण के उन नेताओं के साथ मंच सजाए गए जो बाकायदा अपने राज्य में हिंदुत्व उन्मूलन अभियान चला रहे हैं।

यहां एक और महत्वपूर्ण घटना हुई। बिहार का बेटा बनकर प्रशांत किशोर का चुनावी शंखनाद और जन जागरण। उनकी घोषणा थी कि इस बार नीतीश कुमार की पार्टी जदयू 25 से भी कम सीटों में सिमट जाएगी। यदि 25 से ज्यादा सीटें जद यू को मिलीं तो वे राजनीति छोड़ देंगे। बिहार चुनाव से पहले तक तक अलग -अलग राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीति की दुकान चलाने वाले प्रशांत किशोर को लगा था कि बिहार के वास्तविक मुद्दों को उभार कर, जंगलराज को दोहराने का डर दिखा कर जनता को वह अपने पक्ष में कर लेंगे। इसी सपने के साथ उन्होंने सभी 243 सीटों पर जनसुराज के प्रत्याशी खड़े कर दिए। प्रशांत किशोर की बातों और उनके मुद्दों से जनता आकर्षित तो हुई लेकिन जनता को इसके लिए प्रशांत किशोर की पार्टी पर भरोसा नहीं हुआ। उभरे हुए ये मुद्दे लहलहाती फसल बन कर एनडीए की खलिहान की फसल बन गए। 20 वर्ष पुराने जंगलराज की कहानियों ने बिहार के युवाओं और महिलाओं को विकल्प तलाशने पर विवश कर दिया। परिणाम यह हुआ कि जनता के सामने सबसे विश्वसनीय चेहरे के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही नजर आए। रणनीति के साथ मगध की धरती पर गृहमंत्री अमित शाह ने मैदान में अपनी संतुलित और सुदृढ़ सेना उतार दी। भाजपा, जदयू के अलावा चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और भूपेंद्र कुशवाहा जैसे बिहारी नेतृत्व को साझा सेना देकर सामने रखा। प्रबंधन में सीआर पाटिल के साथ केशव मौर्य की टीम लगा दी। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने बिहार को सांस्कृतिक धरातल पर मथा। लोक पर्व छठ को वैश्विक सम्मान देते और दिलाते हुए बिहार में विकास के नए आयाम दिखाए। महिलाओं के लिए अलग से भी नई योजनाएं लाई गईं। नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा जताया। बिहार के परिणाम ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को बहुत मजबूत कर दिया है। भाजपा के बिहार प्रभारी और केंद्रीय शिक्षांत्री धर्मेंद्र प्रधान कहते हैं कि जनता ने पिछले 20 साल के काम, पिछले साढ़े 11 साल की प्रधानमंत्री की नीतियों और जंगलराज तथा कुशासन के इतिहास को परखा और तुलना करने के बाद हम पर फिर से भरोसा जताया है।

"बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं। पहली बार स्वतंत्र भारत के इतिहास में इस तरीके के चुनाव परिणाम देखने को मिले हैं। वह भी उस समय जब चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर देशभर में अविश्वास देखा जा रहा है। चुनाव आयोग के खिलाफ कई पत्रकार-वार्ताओं के माध्यम से चुनाव आयोग की गड़बड़ियों एवं एक राजनीतिक दल को फायदा पहुंचाने के तथ्य, सबूत के साथ उजागर किए जा चुके हैं। चुनाव आयोग द्वारा एक राजनीतिक दल के पक्ष में काम करने के आरोप लग रहे हैं। बिहार में वोट चोरी को लेकर एक यात्रा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा एकजुट होकर निकाली गई थी।"

बिहार विधानसभा के चुनाव नतीजे, सरकार पर भारी

सनत जैन

इसको बिहार में काफी जन-समर्थन मिला था। एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पिछले कई महीने से बिहार का यह मामला चल रहा है। अभी तक इसके कोई सार्थक परिणाम अथवा आदेश सुप्रीम कोर्ट से नहीं आया है। इसी बीच बिहार में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई थी। अब चुनाव परिणाम भी आ गए हैं। बिहार विधानसभा के चुनाव में मतदान के पूर्व की जमीनी हकीकत कुछ और थी, जो चुनाव परिणाम आए हैं उनकी हकीकत कुछ और है। एनडीए गठबंधन ने 243 सीटों में से 202 सीटें जीतकर चुनावी इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यह जीत सरकार के लिए क्या कष्ट का कारण बनेगी, यह आशंका बनने लगी है। इस जीत के कारण बहुत सारे राजनीतिक ध्रुवीकरण बिहार में चुनाव परिणाम के बाद देखने को मिल रहे हैं। बिहार का मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसको लेकर अभी से तरह-तरह की राजनीति उठा-पटक शुरू हो गई है। नेताओं के बीच में महत्वाकांक्षा जिस तरह से सामने आ रही है, चुनाव परिणाम के बाद भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, लोक जनशक्ति पार्टी में सत्ता संघर्ष का एक नया दौर शुरू हो गया है। एनडीए गठबंधन में सत्ता तक पहुंचने के लिए जिस तरह से एक-दूसरे के खिलाफ रस्साकशी शुरू हो गई है, उससे बिहार के अंदर एक नई प्रतिक्रिया बिहार के नेताओं के बीच में देखने को मिल रही है। जिस तरह से चुनाव के दौरान गुजरात और बिहार के बीच में एक टकराव देखने मिला था। चुनाव परिणाम आने के बाद बिहार के नेताओं में इसे एक आशंका के रूप में देखा जा रहा है। इसमें एनडीए के सहयोगी दलों के बीच सबसे ज्यादा आशंका व्यक्त की जा रही है, जो बिहार की राजनीति को किस मोड़ पर ले जाएगी यह कहना अभी मुश्किल है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कुछ वर्ष पूर्व कहा था, भाजपा को अब क्षेत्रीय दलों की जरूरत नहीं है। उसके बाद से जिस तरह से उड़ीसा में भाजपा ने अपने ही सहयोगी नवीन पटनायक को ठिकाने लगा दिया। बिहार में नीतीश कुमार के लिए ऐसी स्थितियां पैदा कर दी हैं। एक तरह से नीतीश बाबू पूरी तरह से भाजपा के जाल में फंसकर बुरी तरह फड़फड़ा रहे हैं। उनकी पार्टी भाजपा की बंधुआ बन गई है। यदि नीतीश बाबू भाजपा की बात नहीं मानते हैं तो जिस तरह से पंजाब में शिरोमणि अकाली दल खत्म हुआ है, जिस तरह से महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और अजीत पवार का राजनीतिक भविष्य लगभग लगभग खत्म हो गया है। भाजपा अपने सहयोगी दलों को किस तरह से खत्म करती है, इसे हरियाणा में भी देखा जा चुका है। ऐसी स्थिति में एनडीए के सहयोगी दलों के बिहार मूल के नेताओं में एक नई आशंका अभी से देखने को मिल रही है। एक बार बिहार मे भाजपा की सरकार बन गई। जिस तरह का केंद्रीय नेतृत्व भाजपा के अन्दर वर्तमान में है। मोदी-शाह की जोड़ी उन्हें कहां ले जाकर खत्म करेगी, इसको लेकर एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों में ही सबसे ज्यादा बेचैनी देखने को मिल रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने अदानी के भ्रष्टाचार का मामला उठाया, उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। चुनाव आयोग के खिलाफ जिस तरीके का माहौल देश भर में बन रहा है, उसमें यह कहा जा रहा है कि सारे विपक्ष के नवनिर्वाचित विधायक विरोध दर्ज कराने के लिए अपने पदों से इस्तीफा दे सकते हैं। भाजपा के अंदर मुख्यमंत्री पद को लेकर बिहार के नेताओं में जबरदस्त मतभेद देखने को मिल रहे हैं। चिराग पासवान की महत्वाकांक्षा भी कम नहीं है ऐसी स्थिति में जो चुनाव परिणाम आए हैं, उसमें एनडीए के सहयोगी दलों का भी मानना है, इसमें चुनाव आयोग की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। चुनाव आयोग हमेशा केंद्र सरकार के इशारे पर काम करेगा, सभी सहयोगी दलों को इस बार जरूर कुछ स्थान मिल जाए लेकिन आने वाले समय में उन्हें अपने आप को बचाए रखना संभव नहीं होगा। ऐसी स्थिति में बिहार के नेताओं में जो कसमकस देखने को मिल रही है उसको देखते हुए यह कहा जा सकता है, कि भारी बहुमत की सरकार बनने के बाद भी इस सरकार का भविष्य क्या होगा कुछ कहा नहीं जा सकता है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के राहुल गांधी तथा तेजस्वी यादव ने जिस तरह से वोट चोरी का मामला उठाया है, उसके सारे प्रमाण इस बार इकट्ठे करने की कोशिश शुरुआत से ही हो गई थी। यह कहा जा रहा है कि 15 दिन के अंदर चुनाव आयोग द्वारा चुनाव परिणाम में जिस तरह की बेईमानी की गई है उसको उजागर किया जाएगा। कांग्रेस इसे जन-आंदोलन बनाने की तैयारी कर रही है। भारत की न्यायपालिका पर विपक्षी दलों को अब कोई भरोसा नहीं रहा। न्यायपालिका के ऊपर भी यह आरोप लगने लगा है कि वह सरकार के दबाव में काम करती है। संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट सामने नहीं आ रहे हैं, उल्टे तारीख पर तारीख देकर या आधे-अधूरे फैसले देकर सरकार का कवच बनकर, न्याय पालिका नए स्वरूप में है। सरकार भी हर मामले में यह कहती है, यदि किसी को कोई तकलीफ है तो वह कोर्ट चला जाए। राजनीतिक दलों की कोई व्यक्तिगत लड़ाई ना तो चुनाव आयोग से है ना ही सरकार से होती है, लेकिन लोकतंत्र संवैधानिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जो लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं यदि वह अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं कर रही हैं तो ऐसी स्थिति में अब जनमत जनता की अदालत मे ले जाने की बात विपक्ष कर रहा है। इतनी भारी जीत के बाद भी बिहार में जनमानस के बीच में इस विक्ट्री को लेकर कोई उत्साह देखने को नहीं मिल रहा है, जिसके कारण यह माना जा रहा है कि आने वाला समय राज्य सरकार और केंद्र सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। इस चुनौती से विपक्ष से कम सत्तारूढ़ दल को अपने ही सहयोगी दलों के साथ इस चुनौतीपूर्ण लड़ाई को लड़ना पड़ेगा। वह भी तब जब उसके ही सहयोगी दल अपने वर्चस्व को कायम रखने की लड़ाई लड़ रहे हों। ऐसी स्थिति में बिहार का यह चुनाव-परिणाम देश को एक नई दिशा और दशा देने की प्रक्रिया में आगे बढ़ेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है। भारी बहुमत एनडीए के सहयोगी दलों के लिए मुसीबत का कारण बन सकता है। इसको लेकर तरह-तरह की आशंकाएं अभी से बनना शुरू हो गई हैं। बहरहाल आगे क्या होता है इसके लिए अभी इंतजार करना होगा।

अब अर्थव्यवस्था की ताकत सेवा क्षेत्र

डा. जयंती लाल भंडारी

हमें देश के कोने-कोने में विशेषतया ग्रामीण और पिछड़े हुए क्षेत्रों में सेवा निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर एआई स्किल्स से जुड़ी प्रोग्रामिक भाषाएं प्रमुख रूप से पायथन, जावा, सी प्लस प्लस, आर और जूलिया में बड़ी संख्या में युवाओं को कुशल बनाने के कई गुना प्रयास करने होंगे

हाल ही में प्रकाशित नीति आयोग की सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) से संबंधित रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सेवा क्षेत्र का योगदान 55 फीसदी से अधिक है और लगभग 18.8 करोड़ लोगों या देश के कार्यबल के लगभग 30 फीसदी को रोजगार देता है। रिपोर्ट दर्शाती हैं कि सेवा क्षेत्र ने पिछले छह वर्षों में 4 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा किए हैं। देश का सेवा निर्यात 14.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़ रहा है। यह वस्तु निर्यात के 9.8 प्रतिशत से कहीं ज्यादा है। ऐसे में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि देश के वस्तु निर्यात की चुनौतियों के बीच सेवा क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की ताकत बन गया है। गौरतलब है कि देश में बढ़ता हुआ सेवा क्षेत्र बढ़ते हुए सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) का आधार है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का अहम पहलू सेवा निर्यात बन गया है। इनसे न केवल विदेश व्यापार घाटे को थामे रखने में मदद मिल रही है बल्कि इनसे देश में रोजगार निर्माण में सहारा मिल रहा है। इस समय भारत सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) की ऐतिहासिक ऊंचाई हासिल करते हुए वैश्विक सेवा निर्यात का एक प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच भारत का सेवा निर्यात 193.18 अरब डॉलर के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। उम्मीद है कि यह इस चालू वित्त वर्ष के अंत तक 475 अरब डॉलर की रिकॉर्ड नई ऊंचाई पर पहुंच जाएगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सेवा निर्यात 387.5 अरब डॉलर का ही रहा था। वर्ष 2013-14 में सेवा निर्यात का आकार महज 152 अरब डॉलर था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुताबिक भारत ने वैश्विक सेवा निर्यात में 4.3 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ अब दुनिया में सातवां स्थान हासिल कर लिया है। वर्ष 2001 में सेवा निर्यात के मामले में भारत 24वें स्थान पर था। यह उपलब्धि मुख्य रूप से टेलीकॉम, आईटी और बिजनेस सेवाओं की बदौलत संभव हो पाई है। ये क्षेत्र देश के कुल सेवा निर्यात का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा रखते हैं। इनके साथ-साथ भारत सांस्कृतिक और मनोरंजन सेवा निर्यात में भी आगे हैं। सेवा निर्यात की मौजूदा प्रगति देश में हो रहे सेवा क्षेत्रों में संरचनात्मक सुधारों, तकनीकी विकास और नई पीढ़ी की उच्च कौशल युक्त क्षमताओं के लाभों का परिणाम भी है। गौरतलब है कि सेवा निर्यात के तहत कंप्यूटर नेटवर्क का इस्तेमाल कर अमूर्त सेवाएं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग, बैंकिंग, फाइनेंस, इंश्योरेंस, पर्यटन, आतिथ्य, शिक्षा, मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन, गेमिंग, मनोरंजन, एआई आदि से संबंधित सेवाओं का निर्यात शामिल है। खासतौर से भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। नैसकॉम और जिनोव की ओर से जारी इंडिया जीसीसीए लैंडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनते हुए दिखाई दे रहा है। फिलहाल देश में 1800 से अधिक जीसीसी हैं जिनसे 21 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। दुनिया के करीब 50 प्रतिशत जीसीसी सिर्फ भारत में हैं। भारतीय जीडीपी में भारत के जीसीसी का योगदान 1.5 प्रतिशत से अधिक है और 2030 तक यह 3.5 प्रतिशत हो जाएगा।

एग्ज़िट पोल की सटीकता : डेटा और लोकतंत्र का नया भरोसा!

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 ने भारतीय चुनावी राजनीति को एक नया सबक दिया है। यह कि वैज्ञानिक तरीके से किया गया एग्ज़िट पोल न केवल संभावनाओं का अनुमान होता है, यह लोकतांत्रिक व्यवहार को समझने का विश्वसनीय उपकरण भी बन सकता है। यह वही बिहार है जिसे अक्सर विश्लेषकों की परीक्षा लेने वाला प्रदेश कहा जाता है। 2015 में जहाँ एग्ज़िट पोल की भविष्यवाणियाँ औंधे मुँह गिरीं और 2020 में भी कई एजेंसियाँ ठीक निशाने पर नहीं बैठ पाईं, वहीं 2025 का चुनाव अलग कहानी कहता है।

सोनम लववंशी

इस बार डेटा ने राजनीति को पीछे नहीं छोड़ा, बल्कि राजनीति ने डेटा की समझ को सम्मान दिया। सबसे पहले बात करते हैं कामख्या एनालिटिक्स की। इस एजेंसी ने एनडीए को 167-187 सीटों की रेंज दी थी और आखिरकार असल नतीजे इसी दायरे में आ टिके। यह महज़ किस्मत नहीं थी, यह था गहरे रिसर्च का, बारीक सैंपलिंग का और ज़मीन की नब्ज़ पकड़ने की कला का परिणाम। बिहार जैसा समाज जहाँ जाति, क्षेत्र, स्थानीय मुद्दे और नेतृत्व की धारणा एक साथ वोटर की पसन्द को आकार देते है। वहाँ किसी भी सर्वे में सटीक अनुमान लगाना आसान नहीं होता। लेकिन कामख्या की कड़ी डेटा-मॉडलिंग ने दिखा दिया कि जब शोध ईमानदार हो तो अनुमान भी वास्तविकता के करीब पहुँच जाते हैं। मेट्राइज़ और टुडेज़ चाणक्य ने भी एनडीए को आरामदायक बहुमत दिया था—147-167 और 148-172 की रेंज के साथ। दोनों के अनुमानों का केन्द्र-बिन्दु लगभग वही रहा, जो बाद में ईवीएम के आंकड़ों में नज़र आया। खासकर चाणक्य की बात जिसकी एग्ज़िट पोल मॉडलिंग लंबे समय से उच्च सटीकता के लिए जानी जाती है। इस बार भी अपनी प्रतिष्ठा पर खरी उतरी। महागठबंधन (एमजीबी) के लिए इन एजेंसियों ने जो सीट-रेंज दी थी—कामख्या का

54-74, मेट्राइज़ का 70-90 और चाणक्य का 65-89 वह भी अंतिम परिणामों से मेल खाती दिखी। इससे स्पष्ट होता है कि इस बार किसी एजेंसी ने अतिशयोक्ति नहीं की, सबने दोनों पक्षों की ताकत-दुर्बलता को तटस्थता से समझा। छोटे दलों की सीटों का अनुमान लगाना आमतौर पर सबसे कठिन काम होता है। इनके वोट अक्सर बिखरे होते हैं, बोथ पोलिंग बूथ पर छोटे-छोटे उतार-चढ़ाव इनके प्रदर्शन को बदल सकते हैं। फिर भी मेट्राइज़ ने जेएसपी/जेएसयूपी को ठीक 5 सीटें दीं और एक्सिस माय इंडिया ने 0-2 की रेंज। वास्तविक नतीजे भी लगभग इन्हीं अनुमानों के आसपास रहे। यह चुनाव-सर्वेक्षण की विश्वसनीयता के लिए एक मजबूत संकेत है कि छोटे दलों की भविष्यवाणी भी अब 'अनिश्चित' नहीं, 'संभव' होने लगी है।

पीपल्स पल्स ने एनडीए के लिए 133-159 और एमजीबी के लिए 75-101 जैसी व्यापक रेंज दी थी। रेंज भले ही बड़ी थी, पर दिशा सही थी। भास्कर एग्ज़िट पोल ने भी राज्य में बहुमत की हवा को बिना ज्यादा विचलन के समझा 145-160 / 73-91 के आँकड़ों के साथ। दूसरी एजेंसियाँ पी-मार्क, पोलस्ट्रैट, पीपुल्स इनसाइटस चाहे बड़े दायरे में आँकड़े दिए हों, लेकिन सामूहिक रूप से सबकी सूई एक ही दिशा में घूम रही थी एनडीए की ओर। चुनाव विश्लेषण में इसे 'डेटा-संगति' यानी प्रवृत्ति की स्थिरता कहा जाता है, और 2025 ने इसे नए स्तर पर प्रमाणित किया। इस बार सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि लगभग सभी गंभीर एजेंसियों ने सैंपलिंग को सिर्फ संख्याओं का खेल नहीं माना, सामाजिक यथार्थ से जोड़कर देखा। बूथ चयन पहले की तुलना में अधिक संतुलित रहा। ग्रामीण, शहरी, अर्ध-शहरी और माइग्रेशन-प्रधान इलाकों का व्यवस्थित कवरेज किया गया। डेमोग्राफिक मैपिंग को भी अधिक वैज्ञानिक बनाया गया। जाति आधारित व्यवहार, महिला मतदाताओं की प्राथमिकताएँ, युवा वोटरों की झुकाव, और स्थानीय मुद्दों की तीव्रता; यह सभी कारक विश्लेषण का हिस्सा बने। यही वह कारण है कि इस बार एग्ज़िट पोल्स में विचलन कम और सटीकता अधिक दिखाई दी।

चुनाव परिणाम आने के बाद एक और रोचक बात सामने आई। कुछ राजनीतिक हलकों द्वारा फैलाया गया फेक एग्ज़िट पोल नैरेटिव स्वतः ही ध्वस्त हो गया। जब नतीजे स्क्रीन पर आने शुरू हुए और वे उन्हीं अनुमानों की तरह सामने आने लगे जिन्हें सर्वे एजेंसियों ने पहले ही बता दिया था, तब यह स्पष्ट हो गया कि इस बार डेटा से छेड़छाड़ का आरोप न केवल निराधार था, या चुनावी मानस को भटकाने का प्रयास भर था। जनता ने भी देखा कि अनुमान और वास्तविकता, दोनों एक-दूसरे के समानांतर चलते नजर आए। एग्ज़िट पोल कोई जादू नहीं होते। वे गणित, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, सांख्यिकी और मानव व्यवहार के जटिल संयोग से तैयार होते हैं। उनमें हमेशा एक त्रुटि-सीमा होती है, हमेशा एक अनिश्चितता छिपी होती है। लेकिन अगर वेटेज सही है, सैंपल वास्तविक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, और डेटा बिना पूर्वग्रह के एकत्रित किया गया है तो एग्ज़िट पोल न सिर्फ संकेत देते हैं बल्कि राजनीतिक व्यवहार को समझने के ठोस आधार भी बन जाते हैं। 2025 के बिहार चुनाव ने साबित कर दिया कि भारतीय मतदाता अब अनपेक्षित नहीं रहा। उसकी पसंद में पैटर्न है, उसकी राजनीतिक स्मृति गहरी है, और उसके मतदान व्यवहार में निरंतरता दिखाई देती है।

यह चुनाव विश्लेषकों के लिए भी संकेत है कि भारत का लोकतंत्र अब भावना और वास्तविकता, दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि 2025 का बिहार सिर्फ एक चुनाव नहीं था। यह डेटा और लोकतंत्र की साझेदारी का सबसे परिपक्व उदाहरण बनकर सामने आया। इसने यह विश्वास मज़बूत किया है कि अगर मॉडलिंग वैज्ञानिक हो, सैंपलिंग प्रतिनिधिक हो, और डेटा ईमानदार हो, तो एग्ज़िट पोल केवल अनुमान नहीं, लोकतांत्रिक समझ का भरोसेमंद आईना बन सकते हैं। और शायद यही भारत के भविष्य के राजनीतिक विश्लेषण की दिशा भी है। जहाँ भावनाएँ अपनी जगह होंगी, पर तथ्यों की रोशनी उन्हें समझने का रास्ता दिखाएगी।

डीएफओ मनेंद्रगढ़ मनीष कश्यप 'Nexus of Good' अवॉर्ड्स से सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के लिए गौरव का क्षण तब आया जब वन मंडल अधिकारी (छ्स्रह्) मनेंद्रगढ़ श्री मनीष कश्यप को दिल्ली में आयोजित 'Ne&us of Good Foundation Awards 2025' से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें एशिया के सबसे बड़े और लगभग 29 करोड़ वर्ष पुराने गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क को विकसित कर उसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रदान किया गया। पर्यावरण संरक्षण श्रेणी में चयनित दर्जनों नवाचारों के बीच श्री कश्यप के अभिनव कार्य को विशेष सराहना मिली।

Ne&us of Good Foundation देशभर के सेवारत एवं सेवानिवृत्त IAS और IPS अधिकारियों द्वारा संचालित एक संस्था है, जो समाज में किए जा रहे उत्कृष्ट और नवाचारी कार्यों को सामने लाने और उनका उत्साहवर्धन करने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। इस वर्ष अवॉर्ड्स के लिए प्राप्त 150 नवाचार कार्यों में से 26 श्रेष्ठ कार्यों का चयन किया गया। चयन प्रक्रिया UPSC के पूर्व चेयरमैन एवं वरिष्ठ IAS अधिकारी दीपक गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। कार्यक्रम में भारत सरकार के पूर्व कैबिनेट सेक्रेटरी और वरिष्ठ IAS अधिकारी बी.के. चतुर्वेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह लगातार दूसरा वर्ष है जब डीएफओ मनीष कश्यप को उनके नवाचारों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है। वर्ष 2024 में उनके 'महुआ बचाओ अभियान' ने राष्ट्रीय प्रशंसा पाई थी, जिसके माध्यम से घटती महुआ संख्या को बचाने और पुनर्जीवित करने का प्रयास सफलतापूर्वक किया गया।

गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क: एशिया का अनुपम प्राकृतिक धरोहर स्थल: मनेंद्रगढ़ जिले में स्थित गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क एशिया का सबसे बड़ा मरीन फॉसिल साइट है। देश में केवल पाँच स्थान ऐसे हैं, जहाँ इस प्रकार के प्राचीन समुद्री जीवाश्म पाए जाते हैं। 1954 में खोजे जाने के बावजूद यह अनोखा प्राकृतिक धरोहर लंबे समय तक व्यापक पहचान नहीं पा सका। वन विभाग के नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षों में इसे वैज्ञानिक संरक्षण, आकर्षक प्रस्तुति और आधुनिक संरचनाओं के माध्यम से नया स्वरूप मिला है।

वृहद ग्रेनाइट चट्टानों पर आदिकालीन समुद्री जीवों, सरीसृपों और डायनासोर प्रजातियों सहित 35 जीवों की आकृतियाँ उकेरी गई हैं, जो पर्यटकों को करोड़ों वर्ष पुराने इतिहास से सीधे तौर पर जोड़ती हैं। पार्क में विकसित कैक्टस गार्डन, आधुनिक इंटरप्रिटेशन सेंटर और हसदेव नदी में शुरू हुई बोटिंग सुविधा ने इसके आकर्षण को और बढ़ा दिया है।

अप्रैल 2025 में उद्घाटन के बाद से यहाँ 13,000 से अधिक पर्यटक पहुँच चुके हैं। मध्य प्रदेश की सीमा से सटे होने के कारण वहाँ से भी सैलानियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पर्यटन विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले वर्षों में यह संख्या कई गुना बढ़ सकती है।

अब तक सरगुजा संभाग में मुख्य पर्यटन केंद्र मैनपाट रहा है, लेकिन गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क तेज़ी से एक नए पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है। यह न सिर्फ मनेंद्रगढ़ जिले की पहचान को मजबूत कर रहा है, बल्कि पूरे क्षेत्र में इको-टूरिज्म की संभावनाओं को भी नए आयाम प्रदान कर रहा है। डीएफओ मनीष कश्यप का यह योगदान पर्यावरण संरक्षण और नवाचार प्रबंधन का प्रेरक उदाहरण बन गया है, जिसने मनेंद्रगढ़ को राष्ट्रीय मानचित्र पर एक विशिष्ट स्थान दिलाया है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, पुलिस थाना सुभाषपुरा की त्वरित कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। थाना सुभाषपुरा पुलिस ने एक नाबालिग बालिका से दुष्कर्म (बलात्कार) करने के आरोपी रघुवर उर्फ भुज्जू उर्फ छोटू आदिवासी को घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है। 12 नवंबर को ग्राम कलोथरा की एक आदिवासी महिला ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ गांव के आदिवासी लड़के द्वारा गलत काम (बलात्कार) करने की शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना सुभाषपुरा में अपराध क्रमांक 166/25, धारा 64(2)(एफ), 65(1) बीएनएस और 5 एन/6 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

बालिका के नाबालिग होने के चलते, पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ ने आरोपी का शीघ्र पता लगाकर उसे गिरफ्तार करने के सख्त निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मुले और एसडीओपी शिवपुरी संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में, थाना प्रभारी सुभाषपुरा राजीव दुबे द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किए और उसकी तलाश में दूसरे राज्य में भी दबिश दी।

पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रघुवर उर्फ भुज्जू उर्फ छोटू आदिवासी (पिता लक्ष्मण आदिवासी, निवासी सहसारी थाना मोहना, हाल ग्राम कलोथरा) को गिरफ्तार कर लिया।

अतिक्रमण का खेल: भू-माफिया बने 'जमीन चोर इंजीनियर', बदल डाला नालों का स्वरूप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में इन दिनों भू-माफियाओं ने अपनी कार्यशैली में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। ये अब सीधे 'जमीन चोर इंजीनियर' बनकर शहर के महत्वपूर्ण जल निकासी नालों के स्वरूप को बदलकर उन्हें संकरी नालियों में तब्दील कर रहे हैं, ताकि उनकी जमीन पर आसानी से कब्जा किया जा सके। चौंकाने वाली बात यह है कि नगर पालिका (नपा) के जिम्मेदार अधिकारियों तक शिकायतें पहुंचने के बावजूद, मामला कुछ इस तरह 'रफा-दफा' हुआ कि माफिया अपने मंसूबे में कामयाब हो गए।

बारिश के मौसम में शिवपुरी में अक्सर जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति बनती है, जिसका एक मुख्य कारण नालों पर होने वाला यह अवैध अतिक्रमण है।

भूत पुलिया मोड पर 500 वर्गफीट जमीन पर कब्जा: छत्री रोड पर भूत पुलिया के मोड पर स्थित एक चौड़े नाले पर कब्जा इसका जीता-जागता प्रमाण है। एक स्थानीय भू-माफिया ने टू-साइड ओपन कॉर्नर प्लॉट खरीदने के बाद नाले की जमीन को हड़प लिया।

तरीका: नाले के किनारे एक दीवार खड़ी की गई।

परिणाम: चौड़े नाले को एक पक्की, संकरी नाली बनाकर उस पर पत्थर की पटिया रखवाकर ढक दिया गया।

अतिक्रमण का माप: नाले की लंबाई में करीब 200 फीट और चौड़ाई में ढाई फीट जमीन पर कब्जा किया गया, जो लगभग 500 वर्गफीट नाले की सरकारी जमीन है।

नेशनल लोक अदालत 13 दिसंबर को, बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण के होंगे समझौते

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में 13 दिसंबर (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अन्य अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। कंपनी द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी के लंबित प्रकरणों एवं विशेष न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की गई है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी के बनाए गए लंबित प्रकरण एवं अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिये निम्न दाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवाट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी।

प्रि-लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

धान उपार्जन वर्ष 2025-26 की ऐतिहासिक, सुव्यवस्थित और उत्साहपूर्ण हुई शुरुआत

जिले में पहले ही दिन चार उपार्जन केंद्रों से 212.05 क्विंटल धान की खरीदी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले के धान उपार्जन कार्य का शुभारंभ आज शुभ-संस्कारों, उल्लास, निष्ठा और पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया गया। पूजा-अर्चना के उपरांत उपार्जन प्रक्रिया प्रारंभ हुई, जिसके साथ उपार्जन केंद्रों में किसानों के चेहरे पर संतोष, विश्वास और उत्साह स्पष्ट रूप से देखने को मिला। शासन की किसान हितैषी नीतियों, सुदृढ़ प्रबंधन और प्रभावी व्यवस्था का परिणाम रहा कि पहले ही दिन चार सक्रिय उपार्जन केंद्रों में छः किसानों से कुल 231.25 क्विंटल धान विक्रय का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था। परन्तु सोसायटी मॉड्यूल सॉफ्टवेयर में तकनीकी त्रुटि के कारण एक किसान का डाटा उपार्जन मॉड्यूल में प्रदर्शित न होने से पांच किसानों से कुल खरीदी 212.05 क्विंटल पर दर्ज हुई, जिसे प्रशासन ने तत्परता से सुधार कर अगले कार्य दिवस पर खरीदी सुनिश्चित करने के लिए कहा है। जिला प्रशासन ने इस वर्ष उपार्जन व्यवस्था को पूर्णतः वैज्ञानिक एवं मानकीकृत ढांचे पर संचालित किया है, जिसके अंतर्गत सभी केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक कांटा, सटीक नाप-तौल व्यवस्था, 40.600 किलोग्राम प्रति बोरी मानक वजन, पर्याप्त बारदाना, पेयजल, शेड, सुरक्षा व्यवस्था, जनसुविधा केंद्र तथा वर्षा एवं पानी रिसाव से सुरक्षा हेतु उन्नत ड्रेनेज सिस्टम पहले से उपलब्ध कराया गया। नमी की जांच हेतु उच्च गुणवत्ता वाली मोइश्चराइज़र मशीन की व्यवस्था की गई तथा अधिकतम 17 प्रतिशत नमी मानक का कड़ाई से पालन कराया गया। इस व्यवस्था ने दर्शाया कि प्रशासन किसानों के प्रत्येक दाने की सुरक्षा एवं भुगतान प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है।

चार उपार्जन केंद्रों पर कुल पांच किसानों ने धान बिक्री की, एक किसान का कल होगा धान खरीदी: जिले के चार उपार्जन केंद्रों पर कुल पांच किसानों द्वारा धान विक्रय किया गया। जिसमें घुटरा समिति केंद्र में नोडल अधिकारी श्रीमती इंद्रा मिश्रा, खरीदी प्रभारी सोनू तोमर, सहायक प्रभारी राम बदन सिंह, सरपंच शिवप्रसाद, उप सरपंच संतोष राय, सचिव प्रेमलाल तथा रोजगार सहायक भजन सिंह की उपस्थिति में किसान आदित्य कुमार ने 12.45 क्विंटल धान बेचा। वहीं बहरासी केंद्र में नोडल अधिकारी तहसीलदार नीरजकांत तिवारी, खरीदी प्रभारी ऋषि सिंह, सहायक प्रभारी लालमनी रावर्सी, पटवारी फेकू जायसवाल, सचिव पंकज सिंह एवं रोजगार सहायक आशा श्रीवास की उपस्थिति में खाड़ाखोह निवासी किसान नारायण जोगी ने 27.20 क्विंटल धान विक्रय किया।

ग्वालियर बायपास पर लगा मोबाइल कोर्ट, 42 वाहनों पर हुई कार्यवाही; वसूला गया 21,500 समन शुल्क

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। न्यायालय शिवपुरी के निर्देश पर आज दिनांक 16.11.2025 को ग्वालियर बायपास चौराहे पर वाहनों की सघन चेकिंग के लिए एक मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। माननीय प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह राजावत के निर्देशन में यह मोबाइल कोर्ट दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक लगाया गया।

यातायात और कोतवाली पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की गई इस वाहन चेकिंग अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 42 वाहनों पर चालानी कार्यवाही की गई।

पात्र दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों हेतु नि:शुल्क सहायक उपकरण शिविर 4 से 12 तक

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। केन्द्रीय मंत्री, संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, भारत सरकार के निर्देशानुसार शिवपुरी जिले में भारत सरकार की एडिप एवं वयोश्री योजनान्तर्गत दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण, जीवन सहायक उपकरण व कैलीपर्स एवं कृत्रिम अंग प्रदाय किये जाने हेतु एलिम्को जबलपुर द्वारा परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाना है। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देशन में यह शिविर जिले की समस्त जनपद पंचायतों में 4 दिसंबर से 12 दिसंबर तक आयोजित किए जाएगें। समस्त शिविरों में परीक्षण स्थल संबंधित जनपद पंचायत कार्यालय होगा।

कलेक?टर श्री चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि निर्धारित तिथियों में ग्राम पंचायत अथवा वार्ड स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार करें तथा समस्त पात्र दिव्यांगजनों अथवा वरिष्ठजनों की परीक्षण शिविर स्थल पर शत-प्रतिशत उपस्थिति कराते हुये परीक्षण शिविरों में लाभांवित कराना सुनिश्चित करें।

उक्त शिविरों में 4 दिसंबर को जनपद पंचायत पिछोर में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.प. पिछोर रहेगा। 5 दिसंबर को जनपद पंचायत करैरा में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.प.करैरा रहेगा। 6 दिसंबर को जनपद पंचायत बदरवास में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.पं. बदरवास एवं न.पं. रन्नौद रहेंगे।

8 दिसंबर को जनपद पंचायत पोहरी में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.पं. पोहरी अथवा न.पं. बैराढ रहेंगे। 9 दिसंबर को जनपद पंचायत खनियाधाना में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.पं. खनियाधाना रहेगा। 10 दिसंबर को जनपद पंचायत नरवर में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.पं.नरवर एवं न.पं. मगरौनी रहेगा।

भाजपा एक दल नहीं,राष्ट्रवादी विचारधारा है जो बाबा साहब के बताए मार्ग पर चल रही है: भगवान सिंह

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी एक दल नहीं बल्कि एक राष्ट्रवादी विचारधारा है जिसमें सब एकसमान है, सामाजिक समरसता, सामाजिक सद्भाव और समानता के भाव के साथ कार्य कर रही हैं। भाजपा की केंद्र में मोदी सरकार तथा राज्य में मोहन यादव की सरकार जो सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रही हैं। भाजपा की सरकार इस देश के अंतिम पंक्ति के छोर व्यक्ति को विकास मुख्य धारा से जोड़ने काम रहीं है। ये बात भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार ने कहीं।

सोमवार को शिवपुरी में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष डॉ वीर सिंह सगर की अध्यक्षता में जिला कार्य समिति एवं परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक ओमप्रकाश खटीक ने कहा कि आज हमारे अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को योजनाओं का लाभ प्राप्त हों रहा है ये सर्वहारा वर्ग की भाजपा सरकार में हों रहा है। और हमारे संविधान निर्माता,मसीहा,भारत रत्न,बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर को असल में और वास्तविकता जो सम्मान भाजपा ने दिया वो अभी तक किसी दल ने नहीं दिया।

थाना खड़गवां में विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण, ट्रैफिक नियमों और सुरक्षा पर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। थाना खड़गवां द्वारा विद्यार्थियों के लिए आयोजित शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को सुरक्षा, कानून और ट्रैफिक नियमों से अवगत कराना था, ताकि वे कम उम्र से ही जागरूक नागरिक बनने की दिशा में कदम आगे बढ़ा सकें।

पुलिस अधिकारियों ने बच्चों का स्वागत करते हुए उन्हें थाने की कार्यप्रणाली, विभिन्न शाखाओं की भूमिका और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से बताया। अधिकारियों ने सुरक्षा से संबंधित मूलभूत बातें समझाते हुए कहा कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए सड़क पर चलते समय सावधानी और ट्रैफिक नियमों का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

ट्रैफिक विभाग से जुड़े अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रस्तुति देते हुए हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बच्चों को बताया कि मोबाइल फोन का उपयोग सड़क पार करते समय या वाहन चलाते समय बिल्कुल नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनता है। साथ ही उन्हें यह भी समझाया गया कि zebra crossing का उपयोग कैसे किया जाता है और सिग्नल लाइट्स का पालन क्यों आवश्यक है।

पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चे बेहद उत्सुक नज़र आए और अलग-अलग विषयों पर सवाल पूछते रहे। पुलिस अधिकारियों ने धैर्यपूर्वक सभी प्रश्नों के उत्तर दिए, जिससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ा और उनकी समझ और स्पष्ट हुई। विद्यार्थियों ने थाने के विभिन्न विभागों जैसे कि शिकायत कक्ष, रिकॉर्ड शाखा और कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस कर्मचारियों के साथ उनकी सार्थक बातचीत हुई, जिससे उन्हें पुलिस व्यवस्था को नजदीक से समझने का अवसर मिला।

थाना खड़गवां द्वारा आयोजित यह पहल बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस शैक्षणिक भ्रमण ने न केवल बच्चों में जागरूकता बढ़ाई, बल्कि सुरक्षा और जिम्मेदारी की समझ को भी मजबूत किया। शिक्षकगणों ने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को समाज और कानून की वास्तविकताओं से परिचित कराते हैं तथा उन्हें सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

कलेक्टर ने समय सीमा पत्रों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने सोमवार को आयोजित अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा पत्रों एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय सीमा के पत्रों का समयबद्ध और प्रभावी निराकरण प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाए। जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर सहित सभी विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर चौधरी ने कहा कि प्रत्येक विभागीय अधिकारी अपने लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करें और निर्धारित समय-सीमा में उनका समाधान सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने भू-अर्जन संबंधी लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को स्वास्थ्य विभाग के लंबित मामलों का शीघ्र समाधान प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी लंबित शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न वितरण में विलंब की शिकायतों पर विशेष ध्यान देते हुए कलेक्टर ने कहा कि पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए।

बैठक में कलेक्टर चौधरी ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा कि शासकीय सेवकों के जीपीएफ से संबंधित लंबित प्रकरणों को मेनुअल न करते हुए ऑनलाइन ही निराकरण हेतु अग्रेषित करें। इसके साथ ही उन्होंने कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस की कार्यवाही बिंदुओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और विभागीय अधिकारियों से नवाचारों और सफलताओं पर भी चर्चा की।

नर्मदापुरम में सीजन की सबसे सर्द रात

12डिग्री पहुंचा रात का तापमान, ठंड से कंपकपा रहे लोग

नर्मदापुरमा, एजेंसी। नर्मदापुरम में 15 दिनों से ठंड का कहर जारी है। ठंड से शहरवासी कंपकपा रहे है। सोमवार को सीजन की सबसे सर्द रात रही। रात का न्यूनतम तापमान 12डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार हिमालय की ओर से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण मौसम में परिवर्तन बना है। जिले में अगले 3 दिनों तक मौसम ऐसा रह सकता है। सोमवार को सीजन की सबसे ठंडी रात नर्मदापुरम में दर्ज की गई। सुबह से हल्का कोहरा छाए रहा। प्रदेश में सबसे अधिक रात का तापमान नर्मदापुरम का ही दर्ज हुआ है। दोपहर तक मौसम में ठंडक रही। डोलरिया के किसान अनिल सोलंकी ने बताया कि ठंड अधिक पड़ने से खेतों में चना व अन्य फसल को भी ठंड से फायदा फसलों को लाभ है। सब्जियों की मिलेगा। 2023 में 30 नवंबर को 11.8 सबसे कम रात का तापमान दर्ज किया गया था, पिछले साल 16 नवंबर को रात का तापमान 16.6 दर्ज था। इस साल 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। पिछले साल के मुकाबले 4.6 इंच ज्यादा था। इस साल नवंबर में शुरुआत से ही रात का तापमान गिर रहा है। नर्मदापुरम में इस साल पचमढ़ी के मुकाबले रात के तापमानों में 1 से 2 डिग्री की कमी दर्ज हो रही है।

श्रीलंका की ओर विक्षोभ, 3 दिन बाद ह्युमिडिटी बढ़ेगी: अगले 2 दिनों तक रात का तापमान गिरेगा। हिमालय की ओर से आ रही ठंडी हवाओं के कारण दिन में भी ठंड का प्रभाव बना रह सकता है। फिलहाल कोई भी पश्चिमी विक्षोभ नहीं बना है। इस कारण मौसम साफ है। बादल नहीं होने से दिन में सूर्य की किरणें फैल रही हैं, जिसके कारण सीधा प्रभाव न पड़ने से ठंडक अधिक है। हालांकि श्रीलंका की ओर एक विक्षोभ बन रहा है, जिसके कारण अगले तीन दिनों बाद ह्युमिडिटी बढ़ेगी।

सियार से काटा, युवक की मौत, सागर में घर पर सो रहा था लड़का; जानवर ने उंगली में काटा

सागरा, एजेंसी। सागर में रहली थाना क्षेत्र के ग्राम छिरारी में घर के बाहर सोते समय युवक को सियार ने काट लिया। परिवार वालों ने युवक का इलाज कराया। लेकिन तबीयत में सुधार नहीं हुआ है। घटना के 13 दिन बाद युवक की इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। घटनाक्रम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। पोस्टमार्टम कराकर परिवार वालों को शव सौंप दिया है। मामला दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, मृतक के परिजन भोला पिता हल्लेभाई रैकवार ने बताया कि मनोज पिता जमना रैकवार उम्र 21 साल निवासी छिरारी 3 नवंबर को घर के बाहर सो रहा था। देर रात उसके हाथ की उंगली में सियार ने काट लिया। वह चिल्लाकर उठा। आवाज सुन परिवार के लोग बाहर आ गए। उन्होंने सियार को भगाया। सुबह मनोज को इलाज के लिए रहली अस्पताल ले गए। जहां इलाज चला। 14 नवंबर को मनोज की तबीयत ज्यादा खराब हो गई। उसे सागर के भाग्योदय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने मनोज को सियार के काटने से शरीर में संक्रमण होने की बात कही। मनोज को मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराने का बोला। परिवार के लोग उसे बीएमसी में भर्ती कराने पहुंचे।

पैसे नहीं थे तो भोपाल के जगह घर ले गए: बीएमसी में चेकअप करने के बाद डॉक्टर ने भोपाल रेफर कर दिया। लेकिन परिवार वालों के पास पैसे नहीं थे। जिस कारण वह मनोज को लेकर वापस घर आ गए। घर से भोपाल जाने की तैयारी कर रहे थे।

तीन दिन से न्यूनतम तापमान 8 डिग्री से कम

रायसेन में पारा 7.6 डिग्री पहुंचा, निजी स्कूल ने बदला समय

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में पिछले तीन दिनों से रात का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री से नीचे बना हुआ है, जिससे कड़ाके की सर्दी ने रफ्तार पकड़ ली है। बीती रात का तापमान 7.6 डिग्री दर्ज किया गया। बढ़ती ठंड और ठिठुरन को देखते हुए, शहर के सेंट फ्रांसिस कॉन्वेंट स्कूल ने अपने समय में बदलाव किया है। वहीं, डॉक्टरों ने बढ़ती ठंड को दिल के मरीजों और बुजुर्गों के लिए खतरनाक बताया है। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, ठंड को देखते हुए अब नर्सरी के बच्चों के लिए स्कूल का समय सुबह 9-10 बजे से होगा, जो पहले 8:40 बजे था। इसी तरह, कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों के समय में भी परिवर्तन किया गया है।

पहाड़ी इलाका होने से ज्यादा ठंड: रायसेन शहर और पूरा जिला खुले मैदानों और पहाड़ी क्षेत्रों से घिरा हुआ है। इसी कारण यहां अन्य जिलों की तुलना में अधिक ठंड पड़ती है। सुबह के समय खुले मैदानों में पेड़-पौधों पर ओस की बूंदें भी जम जाती हैं। बढ़ती ठंड दिल के मरीजों और बुजुर्गों के लिए चिंता का विषय बन सकती है। चिकित्सकों के अनुसार, ठंड बढ़ने के साथ हृदयघात (Heart Attack) और ब्रेन हेमरेज के मामले बढ़ जाते हैं।

डॉक्टर बोले- खून गाढ़ा हो जाता है: जिला अस्पताल में पदस्थ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. एमएल अहिरवार ने बताया कि तापमान में गिरावट से शरीर में खून गाढ़ा होने लगता है और नसें सिकुड़ जाती हैं। इससे रक्त संचार (Blood Circulation) शरीर की आवश्यकतानुसार नहीं हो पाता है।

धूप निकलने के बाद ही घूमने जाएं: डॉ. अहिरवार ने ठंड से बचाव के लिए कुछ सावधानियां बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि ठंड के सीधे संपर्क में आने से बचें और शरीर को गर्म कपड़ों से अच्छी तरह ढक कर रखें। ठंडे पानी से नहाने से बचें और पीने के लिए हल्के गुनगुने पानी का उपयोग करें। तली-भुनी और गरिष्ठ खाद्य सामग्री के सेवन से परहेज करें।

मंदसौर में सरेराह चाकूबाजी

मेले में जा रहे दो दोस्तों पर 3 युवकों ने किया हमला, पेट और पीठ पर चोट; हालत गंभीर

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर शहर के अभिनंदन नगर में रविवार रात चाकूबाजी की घटना हुई। एन.एस. संघवी स्कूल के पास हुई इस वारदात में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान समीर पिता मन्नान और जाफर पिता शाकिर के रूप में हुई है। घायलों ने तीन युवकों नदीम पठान, योहान मुल्तानी और अमन खान पर हमला करने का आरोप लगाया है। दोनों घायलों का इलाज जिला चिकित्सालय में चल रहा है।

मेले में जा रहे थे, बातचीत के बहाने रोका: घायल जाफर ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथी समीर के साथ मेले में जा रहा था। इसी दौरान आरोपियों ने उन्हें बातचीत के बहाने रोका और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

अमन ने चाकू निकालकर किया हमला: जाफर ने बताया कि मारपीट के दौरान अमन उर्फ अम्मू ने चाकू निकाला और उन पर हमला कर दिया। इस हमले में जाफर के पेट और पीठ पर चाकू के घाव आए हैं। वहीं, समीर की पीठ पर वार किया गया। घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन हमलावर नहीं माने। वे दोनों को घायल कर मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया: सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। कोतवाली पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की तलाश की जा रही है।

मंदसौर के सड़क हादसे में झाबुआ के मजदूर की मौत

स्कूटी सवार दो अन्य घायल; वाहन की तलाश जारी

झाबुआ, एजेंसी। झाबुआ जिले के मजदूर मंदसौर जिले में एक सड़क हादसे का शिकार हो गए। रविवार शाम संजीत रोड पर काचरिया फाटे के पास हुई इस घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और एक सुरक्षित बच गया। वे स्कूटी पर सवार होकर मजदूरी कर अपने अस्थाई कैंप लौट रहे थे, तभी किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। मृतक की पहचान पंकज

पिता मुन्ना खराड़ी (25 वर्ष, निवासी मकोडिया) के रूप में हुई है। हादसे में प्रेम और अनिल गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि दीपक सुरक्षित बच गया। सूचना मिलने पर डायल 112 और पुलिस ने घायलों को सिविल अस्पताल पहुंचाया।

घटना की जानकारी मिलते ही डायल 112, बूढ़ा पुलिस चौकी के जवान और नारायणगढ़ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। मृतक पंकज खराड़ी अपने परिवार का इकलौता पुत्र था और उसकी एक छोटी बच्ची भी है। मृतक का पोस्टमॉर्टम कराकर शव झाबुआ स्थित मकोडिया गांव लाया जा रहा है।

ट्रक ने बाइक सवार को 25 फीट तक घसीटा

पेट फटने से मौके पर मौत; पुलिस ने 5 किमी तक पीछा कर पकड़ा

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में रविवार को इंदौर-इच्छापुर फोरलेन हाईवे पर बोरगांव बुजुर्ग के पास एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। ट्रक चालक बाइक सवार को 25 फीट तक घसीटते हुए ले गया। हादसे में बाइक सवार की पेट फटने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और 5 किलोमीटर तक पीछा कर आयशर गाड़ी को पकड़ा और ड्राइवर को गिरफ्तार किया। घटना बोरगांव चौकी क्षेत्र अंतर्गत रविवार शाम करीब 6 बजे सूक्ता फाटे के पास हुई।

यूपी पासिंग था टक्कर मारने वाला मिनी ट्रक: आयशर वाहन की चपेट में आए 55 वर्षीय मानसुर पिता मांगीलाल मेघवाल की मौत हो गई। मृतक के भाई बीमा चारण ने बताया कि मानसुर लिंगी फाटा से खेत में भैंसों का दूध निकालने जा रहा था। इसी दौरान बुरहानपुर की तरफ से आ रहे आयशर वाहन ने उसे रौंद दिया। उसने हादसे को होते हुए देखा, उस समय आयशर का नंबर देखा तो क्क16 तज्ञ 2095 था। आयशर चालक ने अपनी गाडी को वहां से लेकर चला गया था।

पुलिस ने 5 किमी तक पीछा कर पकड़ा: भीमा ने बताया कि, मेरे भाई मानसुर को पंधाना अस्पताल लेकर गया, जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इधर, आयशर वाहन को 5 किलोमीटर दूर जाकर डायल 112 के आरक्षक संतोष मगरे ने पकड़ा है। सूचना मिलते ही बोरगांव चौकी पर पदस्थ एएसआई वीरेंद्र सिंह बिसेन घटना स्थल पर पहुंचे और शव को बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। बोरगांव चौकी प्रभारी रामप्रकाश यादव के मुताबिक, पुलिस मामले की जांच में जुटी है। केस दर्ज कर ट्रक और उसके ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया हैं।

छतरपुर में चचेरे भाई ने कुल्हाड़ी से किया हमला

पेड़ काटने को लेकर हुआ था विवाद; सिर, गर्दन और पीठ पर गंभीर चोटें आई

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के उर्दमऊ गांव में रविवार शाम एक 16 वर्षीय नाबालिग पर उसके चचेरे भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। यह विवाद खेत की मेड़ पर लगे बेरी के पेड़ को काटने को लेकर हुआ था। घायल नाबालिग को सिर, गर्दन और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। उसे पहले गढ़ीमलहरा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, उर्दमऊ निवासी खेमचंद प्रकाश शिवबा कुशवाहा (16) नौवीं कक्षा का छात्र है। रविवार को छुट्टी के दिन वह अपने खेत पर फसल में पानी लगाने गया था।

झोपड़ी बनाने के लिए काट रहा था पेड़: इसी दौरान, वह खेत की मेड़ पर लगी बेरी का पेड़ काटने लगा, जिसका उपयोग वह झोपड़ी बनाने के लिए करना चाहता था। तभी उसके चचेरे भाई विजय कुशवाहा ने वहां आकर गाली-गलौज शुरू कर दी और पेड़ की लकड़ी ले जाने लगा। जब खेमचंद ने उसे रोका, तो विजय ने कुल्हाड़ी छीन ली और खेमचंद के सिर, गर्दन, पीठ और पैरों पर वार कर दिया। सिर में चोट लगने से खेमचंद जमीन पर गिर गया।

आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज: परिवार के सदस्यों को घटना की जानकारी मिलने पर वे खेमचंद को गढ़ीमलहरा अस्पताल ले गए और थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी विजय कुशवाहा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(ब), 115(2), 118(1), 351(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घायल खेमचंद को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल खेमचंद ने बताया कि वह खेत पर गेहूं की फसल में पानी लगाने गया था और झोपड़ी बनाने के लिए पेड़ काट रहा था। तभी उसके चचेरे भाई ने उसे रोका और पेड़ की डाली उठा ली। जब उसने उसे ले जाने से मना किया, तो विजय ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की।

मां बोली- थाने में की है शिकायत: खेमचंद की मां प्रेम बाई ने बताया कि रविवार को छुट्टी के दिन उनका बेटा खेत पर गया था, जहां विजय ने उसके साथ मारपीट की। घटना के बाद उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई है और उनके बेटे का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

ट्रेन में बेहोश यात्री मिला

नरसिंहपुर के रेलवे डॉक्टर की मदद से मिली राहत

नरसिंहपुर, एजेंसी। सोमवार को वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस (11463) में नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन पर एक यात्री बेहोश मिला। डिप्टी एसएस नरसिंहपुर को सूचना मिली कि ट्रेन के दूसरे जनरल कोच में लगभग 45 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति बेहोश पड़ा है।

ट्रेन के नरसिंहपुर पहुंचने पर रेलवे चिकित्सक डॉ. आरआर कुर्रे तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने यात्री की जांच की, जो सीट के नीचे बेहोशी की हालत में पड़ा था।

डॉ. कुर्रे ने डीपीएस सिस्टम (डीपी पेन स्टीमलाई) का उपयोग कर यात्री को होश में लाया और आवश्यक दवाएं दीं। होश में आने के बाद भी यात्री अपना नाम नहीं बता पा रहा था। चिकित्सीय देखभाल के बाद यात्री की स्थिति सामान्य हो गई, जिसके बाद उसे आगे की यात्रा जारी रखने की अनुमति दी गई। रेलवे कर्मियों और चिकित्सा टीम की त्वरित कार्रवाई से एक संभावित दुर्घटना टल गई।

विदिशा में पिकअप पलटी, महिला की मौत, 15 घायल

10 की हालत गंभीर, इनमें बच्चे भी शामिल; करीला धाम से लौटते वक्त हुआ हादसा

विदिशा, एजेंसी। विदिशा जिले के हैदरगढ़ थाना क्षेत्र में करीला धाम से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में एक महिला की मृत्यु हो गई, जबकि 15 अन्य यात्री घायल हो गए हैं। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से 10 को गंभीर हालत में विदिशा रेफर किया गया है। हादसा सोमवार सुबह हिम्मतपुर के पास एक पुलिया के निकट हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार के कारण वाहन (क्रमांक MP 04 GB 0776) अनियंत्रित हो गया। मृतक की पहचान ग्राम मदनई निवासी 45 वर्षीय लक्ष्मीबाई कुशवाहा के रूप में हुई है। उनके शव का पोस्टमार्टम ग्यारसपुर अस्पताल में किया जा रहा है।

10 गंभीर घायल विदिशा रेफर : हादसे में दस गंभीर घायलों को तत्काल विदिशा जिला अस्पताल रेफर किया गया है। इनमें पांच महिलाएं, तीन लड़कियां और दो बच्चे शामिल हैं, जिनमें एक डेढ़ वर्ष का बच्चा भी है। पिकअप ड्राइवर मनोहर कुशवाहा (30), एक अन्य महिला, एक 15 वर्षीय लड़की और एक पांच वर्षीय बच्ची को मामूली चोटें आई हैं। इनका इलाज ग्यारसपुर अस्पताल में जारी है।

धामनोद के आसपास के रहने वाले हैं: सभी यात्री ग्राम धामनोद और आसपास के क्षेत्रों के रहने वाले हैं और करीला धाम से दर्शन कर लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही ग्यारसपुर और हैदरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे ने एक महिला की मौत और कई यात्रियों के घायल होने की पुष्टि की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

4 साल की बेटी को बचाने कुएं में कूदी मां

खेत से गुजरते वक्त फिसला था पैर; बच्ची की मौत, मां अस्पताल में भर्ती

टीकमगढ़, एजेंसी। टीकमगढ़ में बेटी की जान बचाने के लिए मां कुएं में कूद गई। काफी जद्दोजहद के बावजूद वह अपने कलेजे के टुकड़े को नहीं बचा सकी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने महिला और उसकी मृत बेटी को बाहर निकाला। घटना के बाद गांवभर में मातम है। हादसा जतारा थाना इलाके के बगौरा गांव में रविवार शाम को हुआ। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।बगौरा गांव में रहने वाली जयंती कुशवाहा रविवार शाम, 4 साल की बेटी कल्पना उर्फ दीपू के साथ घर से खेत के लिए निकली थी। कल्पना कुरकुरे खाते हुए चल रही थी। इसी दौरान उसका पैर फिसला और वह कुएं में जा गिरी।

चीख सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे: बेटी को कुएं में गिरते देखकर जयंती उसकी तरफ दौड़ी। फिर बेटी को बचाने के लिए कुएं में छलांग लगा दी। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग कुएं के पास पहुंचे। मां-बेटी के रेस्क्यू की कोशिशें शुरू कीं। रस्सी के सहारे एक आदमी कुएं में उतरा। फिर जयंती और कल्पना को बाहर निकाला।

डॉक्टरों ने बेटी को मृत घोषित किया: ग्रामीणों ने मां-बेटी को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जतारा पहुंचाया। यहां मेडिकल चेकअप के बाद डॉक्टरों ने कल्पना को मृत घोषित कर दिया। जयंती को इलाज के लिए भर्ती कर लिया है। जतारा थाने के एसआई एनके ठाकुर ने कहा- बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन को सौंप दिया है। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सरपंच प्रतिनिधि कैलाश प्रजापति ने बताया कि जयंती का पति दीपू कुशवाहा (33) मजदूरी और खेती किसानी करता है। घटना के दौरान वह अपने घर पर था। दंपती का एक बेटा और एक बेटी थे।

लंबे समय तक चुभेगी कोलकाता की हार

सबसे छोटा लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को कोलकाता टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 30 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया को महज 124 रन का लक्ष्य मिला था। इसलिए ये हार ज्यादा चुभने वाली है। घरेलू जमीन पर यह न्यूनतम लक्ष्य था जिसे भारतीय टीम हासिल नहीं कर पाई। टीम इंडिया को ये हार लंबे समय तक याद रहेगी। भारतीय टीम को घरेलू जमीन पर मिला यह सबसे छोटा लक्ष्य था जिसे हासिल करने में टीम इंडिया नाकाम रही और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में 0-1 से पिछड़ गई। इसके पहले भारतीय टीम 2024 में मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ 147 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई थी। 1987 में भारत पाकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु में 221 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया था। 1956 में कोलकाता में हुए मैच में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 231 का लक्ष्य नहीं पा सकी थी। वहीं, 2024 में ही इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद में टीम इंडिया 242 रन का लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही थी। भारतीय टीम विदेशी पिचों पर भी चौथी पारी में 200 से कम के लक्ष्य का पीछा करते हुए कई बार मैच गंवा चुकी है।

1997 में भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ ब्रिजटाउन में 120 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी थी। 2015 में भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गाले में 176 रन नहीं बना सकी थी। 2025 में भारतीय टीम लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 193 रन नहीं बना सकी थी। वहीं 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में 194 रन भारतीय टीम से नहीं बने थे।

कोलकाता टेस्ट पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 159 पर सिमट गई थी। भारतीय टीम ने पहली पारी में 189 रन बनाकर 30 रन की बढ़त ली थी। दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका 153 पर सिमट गई। भारत को जीत के लिए 124 रन का लक्ष्य मिला था। भारतीय टीम 93 रन पर सिमट गई और मैच 30 रन से हार गई।

फुटबॉल : पुर्तगाल ने अगले विश्व कप में जगह पक्की की, रोनाल्डो खेल सकते हैं छठा विश्व कप

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल ने 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले फीफा फुटबॉल विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। पुर्तगाल के विश्व कप में जगह बनाने के साथ ही स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रिकॉर्ड छठा विश्व कप खेलने की संभावना बढ़ गई है। रोनाल्डो आर्मेनिया के खिलाफ हुए मैच में पुर्तगाल टीम का हिस्सा नहीं थे। अगले जून में शुरू होने वाले विश्व कप तक रोनाल्डो 41 साल के हो जाएंगे। रोनाल्डो ने हाल ही में कहा था कि अगला विश्व कप उनका आखिरी विश्व कप हो सकता है। अगर वह अपनी फिटनेस बरकरार रखते हैं, तो वे पुर्तगाल के लिए खेल सकते हैं।

रोनाल्डो और उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी, अगर अगले साल के टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हैं, तो वे अपने छठे विश्व कप में खेलेंगे। गत विजेता अर्जेंटीना ने पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है।

मेसी ने 2022 में कतर में अर्जेंटीना को खिताब दिलाकर अपने करियर की लंबी महत्वाकांक्षा पूरी की थी।

रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए यूरोपीय चैम्पियनशिप और दो नेशंस लीग खिताब जीते हैं, लेकिन विश्व कप नहीं जीत पाए हैं। वह अपने करियर के अंत के करीब हैं और सऊदी अरब में खेलने के लिए शीर्ष यूरोपीय फुटबॉल को पीछे छोड़ चुके हैं, फिर भी उन्होंने अपने उल्लेखनीय करियर को और निखारना जारी रखा है।

रोनाल्डो के लिए निश्चित रूप से ये आखिरी विश्व कप है। मेसी का विश्व कप जीतने का सपना पिछली बार पूरा हो गया था। रोनाल्डो भी आगामी विश्व कप जीतकर अपने स्वर्णिम करियर का यादगार समापन करना चाहेंगे। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए खेले 226 मैचों में 143 गोल किए हैं। वह सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले फुटबॉलर हैं।

उम्मीद है, मेरी बात गौतम गंभीर सुन रहे होंगे, आखिर क्या बोले पूर्व कप्तान सौरव गांगुली?

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन में भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा। 124 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही भारतीय टीम 93 रन पर सिमट गई और 30 रन से हार गई। भारत की शर्मनाक हार के बाद पिच को लेकर उठ रहे सवाल के बीच पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने टीम मैनेजमेंट और भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर के लिए बेहद अहम बात कही है। गांगुली की प्रतिक्रिया ईडन गार्डन्स की पिच को लेकर उठे विवाद के ठीक बाद आई। उन्होंने कहा कि पिच बिल्कुल वैसी ही थी जैसा टीम चाहती थी। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ÷भारतीय टीम मैनेजमेंट को घरेलू मैदान पर दबदबा बनाने के लिए पिचों से छेड़छाड़ करना बंद करना चाहिए। अच्छे विकेटों पर खेलो। बल्लेबाजों को 350 से अधिक रन बनाने का अवसर दो और उसी विकेट पर गेंदबाजों को विकेट लेने के लिए प्रेरित करो।

भारतीय क्रिकेट में दादा के नाम से मशहूर गांगुली ने कहा कि हमें अपनी गेंदबाजी पर भरोसा करना चाहिए। हमारे पास जसप्रीत बुमराह और सिराज हैं, जो टेस्ट में बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे हैं। मुझे लगता है कि इसमें मोहम्मद शमी को भी शामिल किया जाना चाहिए। शमी स्पिनरों के साथ मिलकर भारतीय टीम को टेस्ट में जीत दिलाने की क्षमता रखते हैं। गांगुली ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि गौतम गंभीर मेरी बात सुन रहे होंगे। पूर्व कप्तान द्वारा भारतीय टीम के हेड कोच का नाम लेना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे भारतीय टीम और टेस्ट के लिए विशेष पिच की मांग से खुश नहीं हैं। बता दें कि 2024 में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

एशेज सीरीज के बीच सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को मिला इस मुकाबले में मौका

मेलबर्न, एजेंसी। एशेज सीरीज की शुरुआत 21 नवंबर से होने जा रही है। सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों के बीच दो दिवसीय वार्म अप मैच खेला जाएगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को इंग्लैंड के खिलाफ प्राइम मिनिस्टर इलेवन में शामिल किया गया है।

क्रिकेटडॉटकॉमडॉटएयू ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के हवाले से लिखा,卐प्राइम मिनिस्टर इलेवन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक गौरवशाली परंपरा है। मुझे इस महीने के अंत में इंग्लैंड इलेवन से भिड़ने वाली टीम की पुष्टि करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह टीम हमारी घरेलू क्रिकेट प्रणाली में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बारे में बताती है। मैं विशेष रूप से हमारे कुछ उभरते सितारों को यह मौका हासिल करते हुए देखकर उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, मैं 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली एशेज सीरीज का भी बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। यह विश्व क्रिकेट की सबसे पुरानी प्रतिद्वंद्विता है। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की भिड़ंत हमेशा कुछ अलग ही मायने रखती है।

इस मुकाबले की शुरुआत 29 नवंबर से कैनबरा में होगी, जिसमें विक्टोरियन बल्लेबाज पीटर हैंड्सकॉम्ब पिंक बॉल मैच में टीम की अगुवाई करेंगे। यह मुकाबला गाबा में होने वाले डे-नाइट टेस्ट मैच की तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिसकी शुरुआत 4 दिसंबर से होगी। सैम कोंस्टास के साथ इस टीम में अंडर-19 विश्व कप विजेता चार्ली एंडरसन, ओलिवर पीक और ह्यूग वीबगेन भी शामिल हैं। इनके अलावा, अनुभवी पीटर सिडल इस अभ्यास मैच में खेलेंगे। नाथन मैकस्वीनी टीम में एक अन्य टेस्ट खिलाड़ी हैं, जबकि तेज गेंदबाज सैम स्केली स्थानीय एसीटी प्रतिनिधि हैं। टिम पेन टीम के इस टीम के कोच हैं। एक ओर यह मुकाबला खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खुद को परखने का मौका होगा।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स : भारत को पाकिस्तान ने 8 विकेट से हराया

दोहा, एजेंसी। एसीसी पुरुष एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 में रविवार को दोहा के वेस्ट एंड पार्क अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में भारत को हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान ने भारत को 8 विकेट से हराया। 137 रन के लक्ष्य को पाने उतरी पाकिस्तान को सलामी बल्लेबाजों माज सदाकत और मोहम्मद नईम ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 5.3 ओवर में 55 रन जोड़े। नईम 10 गेंद पर 14 रन बनाकर आउट हो गए। सदाकत टीम को जीत दिलाकर ही लौटे। सदाकत ने 47 गेंद पर 4 छक्के और 7 चौके की मदद से नाबाद 79 रन की पारी खेली। सदाकत ने यासिर खान के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 और मोहम्मद फैक (16 रन) के साथ नाबाद 43 रन की साझेदारी की। पाकिस्तान ने 13.2 ओवर में 2 विकेट पर 137 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीता। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की तरफ से वैभव सूर्यवंशी और नमन धीर ही ऐसे बल्लेबाज रहे जिन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। सूर्यवंशी ने 28 गेंद पर 3 छक्के और 5 चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। वहीं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए धीर ने 20 गेंद पर 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 35 रन बनाए। इसके अलावा, हर्ष दूबे ने 19, रमनदीप सिंह ने 11 और प्रियांश आर्य ने 10 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सके। भारतीय टीम 19 ओवर में 136 पर ऑल आउट हो गई थी। पाकिस्तान की तरफ से शाहिद अजीज ने 3, साद मसूद और माज सदाकत ने 2-2, उबैद शाह, अहमद दानियाल और सुफियान मुकीम ने 1-1 विकेट लिए।

डॉक्टर लूथरा इलेवन के गेंदबाजों ने अपनी टीम को वंदे मातरम् ट्रॉफी में फतेह दिलाई

चंडीगढ़, एजेंसी। दिव्या पब्लिक स्कूल में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करना डाक्टर लूथरा इलैवन को चाहे रास नहीं आया क्योंकि पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 105 रन ही बना सकी। परंतु डाक्टर लूथरा इलेवन के गेंदबाजों ने फतेह क्रिकेट क्लब को 54 रन के न्यूनतम स्कोर पर 17.4 ओवर में ही समेट दिया और 51 रन से अपनी टीम को वंदे मातरम् ट्राफी में फतेह दिलाई। डॉक्टर लूथरा इलेवन के हरविंदर नैन ने सर्वाधिक 37 रन बनाए। गुलशन कुमार (20) और डाक्टर लूथरा (12 रन) ही दहाई के अंक तक पहुंच पाए। फतेह क्रिकेट क्लब के लाल बाबू ने 4 विकेट चटकाए। जबकि 1-1 विकेट अभिषेक जूनियर, चंदन, आर्यन व प्रियांशू ने हासिल किया। 2 प्लेयर रन आउट हुए। छोटे स्कोर का पीछा भी फतेह क्रिकेट क्लब के बल्लेबाजों को कोसों दूर नज़र आया क्योंकि पूरी टीम केवल 54 रन पर 17.4 ओवर में ही पवेलियन लौट गयी।

लाल बाबू 17;, आशीष 12, और आर्यन 11 रन बनाकर दहाई के आंकड़े तक पहुंच पाए। 4 प्लेयर शुन्य के स्कोर पर आउट हुए। डॉक्टर लूथरा इलैवन के हरविंदर नैन और चेतन शर्मा शर्मा ने 3-3 बल्लेबाजों को धूल चटाई जबकि 1-1 विकेट सिकंदर राणा, कमल जोशी, कर्ण और गुलशन कुमार ने चटकाया। हरविंदर नैन को उनके आल राउंड प्रदर्शन कै ऐवज प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

बतौर हेड कोच राजस्थान रॉयल्स में कुमार संगकारा की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी । आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच के रूप में श्रीलंकाई दिग्गज क्रिकेटर कुमार संगकारा की टीम में वापसी हुई है। इसी के साथ संगकारा क्रिकेट निदेशक के रूप में भी अपनी भूमिका जारी रखेंगे। इस बीच फ्रेंचाइजी ने विक्रम राठौर को मुख्य सहायक कोच के पद पर पदोन्नत किया है, जबकि शेन बॉन्ड गेंदबाजी कोच बने रहेंगे। इनके अलावा, ट्रेवर पेनी सहायक कोच और सिड लाहिड़ी प्रदर्शन कोच के रूप में वापसी करेंगे। संगकारा की नियुक्ति को लेकर फ्रेंचाइजी के मुख्य मालिक मनोज बडाले ने कहा, ÷जब हमने विचार किया कि इस समय टीम को क्या चाहिए, तो हमें लगा कि टीम के साथ उनकी सहजता, उनका नेतृत्व और रॉयल्स के कल्चर की उनकी गहरी समझ निरंतरता और स्थिरता का सही संतुलन लाएगी।÷

उन्होंने कहा, ÷एक लीडर के रूप में हमें कुमार (संगकारा) पर हमेशा पूरा भरोसा रहा है। उनकी स्पष्टता, धैर्य और क्रिकेट की समझ टीम को अगले चरण में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।÷

कुमार संगकारा इससे पहले साल 2021 से 2024 के बीच टीम के हेड कोच के रूप में कार्यरत थे।

उनके मार्गदर्शन में राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2022 का फाइनल खेलने के बाद आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में जगह बनाई थी।

इसके बाद आईपीएल 2025 में राहुल द्रविड़ ने यह पद संभाला, लेकिन एक ही सीजन के बाद ही द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच पद से इस्तीफा दे दिया।

आईपीएल 2025 में राहुल द्रविड़ के मार्गदर्शन में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। यह टीम 14 में से सिर्फ 4 मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में नौवें पायदान पर रही।

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल इतिहास में अब तक सिर्फ एक बार खिताब अपने नाम किया है। इस टीम ने साल 2008 में आईपीएल इतिहास का पहला सीजन जीता था, जिसके बाद साल 2022 के फाइनल में पहुंचकर उसे गुजरात टाइटंस के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

माइकल वॉन की भविष्यवाणी, 2-2 से बराबरी पर खत्म होगी एशेज सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज की शुरुआत 21 नवंबर से पर्थ में होने जा रही है। इस सीरीज में पांच मुकाबले खेले जाने हैं। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने भविष्यवाणी की है कि एशेज सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म होगी, जबकि एक मैच ड्रॉ रहेगा। माइकल वॉन का कहना है कि बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लिश टीम पर्थ में सीरीज के पहले मैच में जीत हासिल करेगी, जिसकी वजह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पैट कमिंस और जोश हेजलवुड का इस मैच से बाहर होना है। माइकल वॉन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर लिखा, ÷अगर बेन स्टोक्स फिट रहते हैं, तो मुझे लगता है कि यह सीरीज 2-2 से बराबर रहेगी। इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पैट या जोश की गैरमौजूदगी में जीतेगी। अगर सीरीज के पहले टेस्ट से पूर्व कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं होता, तो यही मेरी आखिरी भविष्यवाणी है।÷

पैट कमिंस फिलहाल पीठ की चोट से उबर रहे हैं, जबकि तेज गेंदबाज हेजलवुड को शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान विक्टोरिया के खिलाफ न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलते हुए हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई।

शनिवार को इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा था कि जोश हेजलवुड के बाहर होने के बाद, एशेज के पहले मैच में मेहमान इंग्लैंड की स्थिति बेहतर है। वॉन ने कहा था, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हेजलवुड और कमिंस पहले टेस्ट से बाहर हैं। यह शुरुआती संकेत हैं कि बड़ी सीरीज जीतने के लिए जरूरी तेज गेंदबाजी इंग्लैंड के पक्ष में जा रही है। पर्थ में उनके लिए एक अंक आगे जाने का बड़ा मौका है। इस वक्त ऑस्ट्रेलियाई टीम में मिचेल स्टार्क एकमात्र पूरी तरह से फिट पहली पसंद के तेज गेंदबाज हैं, जबकि स्कॉट बोलैंड बैकअप खिलाड़ी के रूप में हैं। हेजलवुड के चोटिल होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया दोनों ऑलराउंडर्स कैमरन ग्रीन और ब्यू वेबस्टर को तेज गेंदबाज के रूप में मौका देने पर पर विचार कर सकता है। कमिंस, एबॉट और हेजलवुड के चोटिल होने के कारण, अनकैप्ड तेज गेंदबाज ब्रेंडन डोगेट पर्थ में अपना टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं, जिन्होंने साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए दो बार पारी में 5 विकेट हासिल किए हैं।

किसी एक खिलाड़ी की गलती नहीं, असल वजह..

भारत की 30 रन की हार पर पीटरसन का बड़ा बयान

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत की 30 रन की करारी हार पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने टीम इंडिया की बल्लेबाज़ी के पतन की असली वजह बताई है। उनका मानना है कि यह हार किसी एक खिलाड़ी की गलती नहीं, बल्कि आधुनिक क्रिकेट की बदलती प्राथमिकताओं का परिणाम है।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 124 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 93 पर ढेर हो गई। इस हार के बाद पीटरसन ने ङ्क (ट्विटर) पर लंबा पोस्ट लिखते हुए बताया कि किस तरह आज के बल्लेबाज़ टेस्ट मैच के लिए जरूरी तकनीक धीरे-धीरे खोते जा रहे हैं।

केविन पीटरसन ने बताया भारत की हार का असली कारण

पीटरसन ने लिखा कि कोलकाता की स्पिनिंग पिच, कम स्कोर और तड़क-भड़क भरे मैच ने साफ कर दिया है कि आज के बल्लेबाज़ कठिन परिस्थितियों में टिककर खेलने की कला नहीं सीख पा रहे।

उन्होंने कहा, आज के बल्लेबाज़ बड़े शॉट्स खेलने, स्विच-हिट और छक्के मारने पर ज्यादा ध्यान देते हैं। बचाव की तकनीक, टिककर बल्लेबाज़ी और पारी बनाने जैसी टेस्ट क्रिकेट की असली स्किल्स पर अब उतना जोर नहीं दिया जाता।

उनका दावा है कि जब वातावरण ही आक्रामक खेल को बढ़ावा दे, तो खिलाड़ी उसी दिशा में ढलने लगते हैं और टेस्ट में ऐसी परिस्थिति आने पर वे ढह जाते हैं।

पैसा ही असली हाथी है कमरे में – पीटरसन

पीटरसन ने कहा कि क्रिकेट में पैसा सबसे बड़ा प्रभाव डाल रहा है, लेकिन कोई इस पर खुलकर बात नहीं करना चाहता। उन्होंने आगे लिखा, मैं चाहता हूँ कि खिलाड़ी जितना पैसा कमा सकते हैं, कमाएँ। वे वही कर रहे हैं जो निर्णय लेने वाले चाहते हैं, छक्के मारो, स्विच-हिट खेलो और बैंक बैलेंस बढ़ाते रहो। पीटरसन के अनुसार खिलाड़ियों को दोष देने से पहले, यह समझना जरूरी है कि उनका प्रशिक्षण और माहौल आज टेस्ट क्रिकेट की मूल तकनीक से बहुत दूर हो चुका है।

खिलाड़ी दोषी नहीं, सिस्टम दोषी है -पीटरसन का बड़ा बयान

पीटरसन ने साफ कहा कि खिलाड़ी दोषी नहीं हैं, क्योंकि वह उसी सिस्टम का हिस्सा हैं जो उन्हें आक्रामक खेल के लिए तैयार करता है। उन्होंने लिखा- 'The player is not to blame at all… आज क्रिकेट की प्राथमिकता बचकर खेलने या स्पिन को समझने की नहीं है। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट में बढ़ते पैसे और मनोरंजन-प्रधान मॉडल को कठघरे में खड़ा किया। अब क्रिकेट चमक-दमक, तेज़ संगीत, और बोर्ड्स व प्राइवेट मालिकों के लिए अधिक कमाई का साधन बन गया है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अटल परिसरों और जलप्रदाय योजनाओं का किया लोकार्पण

नालंदा परिसर और डल्यू.टी.पी. का भूमिपूजन भी किया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज बालोद और डौंडीलोहारा में अटल परिसरों का लोकार्पण किया। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत गुरूर, गुंडरदेही और डौंडीलोहारा विकासखंड के गांवों में नल जल योजनाओं का भी लोकार्पण किया। श्री साव ने बालोद में नालंदा परिसर और डौंडीलोहारा में अमृत मिशन के अंतर्गत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भूमिपूजन भी किया। उन्होंने बालोद शहर के विकास के लिए चार करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने बालोद जिला मुख्यालय में तान्दुला नदी पुल से उप जेल तक डिवाइडर निर्माण तथा बालोद से लोहारा मार्ग एवं जगन्नाथपुर से परसोदा मार्ग निर्माण की भी घोषणा की। विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा और श्रीमती अनिला भेंड़िया भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बालोद में अटल परिसर तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत गुरूर विकासखण्ड के ग्राम सोनईडोंगरी एवं मुड़खुसरा तथा गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम भोथीपार एवं खल्लारी में एकल ग्राम नल जल योजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने डौण्डीलोहारा नगर पंचायत में अटल परिसर तथा ग्राम डूमरघुचा, बड़े जुंगेरा एवं मड़िया कट्टा में नल जल योजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने अमृत मिशन 2.0 जल प्रदाय योजना और आदर्श आंगनबाड़ी भवन के निर्माण के लिए भूमिपूजन भी किया। श्री साव ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के हितग्राहियों को पूर्णता प्रमाण पत्र एवं आवास की चाबी सौंप कर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बालोद के प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया।

श्री साव ने डौण्डीलोहारा नगर पंचायत में मूलभूत विकास कार्यों के लिए तीन करोड़ रुपए व मुक्तिधाम निर्माण के लिए 30 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने डौंडी नगर पंचायत में भी मूलभूत विकास कार्यों के लिए दो करोड़ रुपए एवं मुक्तिधाम निर्माण के लिए 20 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। श्री साव ने चिखलाकसा नगर पंचायत में मूलभूत विकास कार्यों के लिए दो करोड़ रुपए, दल्लीराजहरा नगर पालिका में मूलभूत विकास कार्यों के लिए तीन करोड़ रुपए तथा मुक्तिधाम निर्माण के लिए 50 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने दल्लीराजहरा नगर पालिका तथा दोनों नगर पंचायतों के अध्यक्षों को इन कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों की मांग पर डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम संबलपुर में विश्राम गृह निर्माण के लिए उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बालोद और डौंडीलोहारा में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के निर्माण और यहां विकास की गंगा बहाकर राज्य के नवनिर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने प्रदेशवासियों को नए छत्तीसगढ़ राज्य की सौगात देने के साथ ही राजधानी रायपुर में एम्स, न्यायधानी बिलासपुर में उच्च न्यायालय एवं रेलवे जोन, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना एवं भारतमाला परियोजना के माध्यम से राज्य के गांवों एवं शहरों में सड़कों का जाल बिछाने का अभिनव कार्य किया है।

गौरेला पेंड्रा मरवाही, कलेक्टर ने आदिवासी बालक छात्रवास निमधा का निरीक्षण किया

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने शनिवार को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के शुभारंभ करने के दौरान आदिवासी बालक छात्रावास निमधा का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों की उपस्थिति, भोजन, नाश्ता, अध्ययन-अध्यापन और ठंडक के मौसम को देखते हुए गर्म कपड़ों की व्यवस्था आदि की जानकारी ली। उन्होंने छात्रावास अधीक्षक जो मूल रूप से शिक्षक हैं, को अधीक्षकीय कार्य के अलावा अपने समबद्ध स्कूल में प्रतिदिन दो क्लास लेने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने छात्रावासी बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, खानपान एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने कहा। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे भी उपस्थित थे।

गौरेला पेंड्रा मरवाही, आरबीआई की, आपकी पूंजी आपका अधिकार

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिला अग्रणी बैंक पेंड्रारोड के मुख्य प्रबंधक श्री राघवेंद्र बघेल ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा देश भर में बिना दावे वाली वित्तीय संपत्तियो को उनके असली मालिकों को लौटाने के लिये एक विशेष पहल के तहत आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान की शुरुवात की गयी है। इसका उद्देश्य नागरिको को उनके बिना दावे वाली संपत्तियों को जैसे निष्क्रिय बैंक खाते को पुन प्राप्त करने में मदद करना है। अक्टूबर 2025 से दिसम्बर 2025 तक चलने वाला यह एक अभियान तीन चरणों पर केन्द्रीत है। यह जागरूकता पहुंच कार्यवाही है, ताकि लोग आसानी से अपना पैसा पा सके और उसका दावा कर सके। इसमें वित्तीय सेवा विभाग द्वारा समन्वित बैंको, बीमा कंपनियों एवं स्टाक एक्सचेंज सहित कई संस्थान शामिल है। श्री बघेल ने बताया कि आरबीआई की पहल के तहत यादि अपने पुराने बैंक खाते में पैसा जमा करके भूल गए हैं, तो उसे वापस पाने के लिए तीन चरण अपनाने होंगे। पहला आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाए, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो। दूसरा केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें। तीसरा सत्यापन के बाद ब्याज समेत यदि है तो, अपने पैसे वापस पाए।

धान से मिले पैसों से खुद के लिए वाहन खरीदेंगे-किसान गंगाराम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 हेतु धान खरीदी का शुभारंभ अवसर पर जशपुर जिले के गम्हरिया चौक स्थित धान खरीदी केंद्र में ग्राम झीलिंग के किसान श्री गंगा यादव ने सर्वप्रथम अपना धान विक्रय किया। उन्होंने कहा कि धान से मिले पैसों से खुद के लिए वाहन खरीदूंगा द्य

किसान श्री गंगा यादव ने बताया कि उन्होंने पिछले वर्ष लगभग 150 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर बेचा था, जिससे प्राप्त लाभ से उन्होंने एक दुकान की शुरुआत कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना। उन्होंने कहा कि इस वर्ष वे वाहन क्रय करने की योजना बना रहे हैं। श्री यादव ने शासन द्वारा खरीदी केंद्रों में की गई सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र में सभी व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध हैं, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में माइक्रो-एटीएम सुविधा, टोकन 'तुंहर द्वार' व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि किसानों को धान विक्रय प्रक्रिया में आसानी और पारदर्शिता मिल सके।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रदेशभर में 15 नवम्बर से धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से प्रारंभ हो गया है। जशपुर जिले मे किसी भी समिति में किसानों को तकलीफ नहीं है। आसानी से टोकन मिल रहा है और किसान निर्धारित दिवस धान समिति में लेकर आ रहे हैं।

आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएँ ने देर रात ली ज़िला अस्पताल दंतेवाड़ा के समस्त चिकित्सकों और कर्मचारियों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। इस बैठक के दौरान आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएँ ने जिला हस्पताल दंतेवाड़ा में उपलब्ध मानव संसाधन एवं उनके द्वारा किये जा रहे ऑपरेशन इत्यादि की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान अस्थि शल्य विभाग द्वारा विगत दिनों कुछ ऐसे ऑपरेशंस किए गए जो केवल मेडिकल कॉलेज में किए जाते रहे है। इन ऑपरेशन के संदर्भ में आयुक्त ने टीम को बधाई भी दी। स्ह्ष्ट के बढ़े हुए रेफरल रेट की भी आयुक्त स्वास्थ्य सेवायें ने विस्तृत समीक्षा की सभी के उत्तरदायित्वों का स्पष्ट निर्धारण के भी निर्देश दिए गए जिससे वर्ष के अंत में सभी का कार्य मूल्यांकन उसी आधार पर किया जा सके। बांड डॉक्टर्स के संदर्भ में भी रोस्टर वार सभी की सभी शाखा की ड्यूटी लगायी जाये ताकि उनका अच्छे से प्रशिक्षण भी हो सके और वे भी अस्पताल के संदर्भ में अपने उत्तरदायित्व का अच्छे से निर्वहन भी कर सकें डॉ प्रियंका ने सभी को सहृदयता और संवेदनशीलता के साथ अस्पताल में आए सभी मरीज़ों का गुणवत्तापूर्वक इलाज करने के निर्देश भी दिए ताकि दूरस्थ क्षेत्रों से आ रहे मरीज़ों को अच्छे से अच्छा इलाज ज़िला अस्पताल में मुहैया कराया जा सके डॉ प्रियंका ने पूरे ज़िला अस्पताल की हर शाखा, लैब इत्यादि का निरीक्षण कर उपलब्ध करायी जा रही सेवाओं का जायज़ा भी लिया।

विश्वसनीयता मीडिया की सबसे बड़ी ताकत

जनसंपर्क विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर आज जनसंपर्क संचालनालय में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विचार गोष्ठी में संपादकों, वरिष्ठ पत्रकारों और जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ संपादक जयप्रकाश मिश्रा ने कहा कि कुछ लोग अपने हितों को सुरक्षित रखने के लिए भ्रामक सूचनाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ एक ही तरह की भ्रामक सामग्री को भेजते हैं, जिससे उसका एल्गोरिदम बढ़ जाता है और पाठक भ्रमित होकर उसे सच मान बैठता है। उन्होंने दिल्ली मेट्रो का उदाहरण देते हुए कहा कि श्रीधरन जी जब भी मेट्रो में किसी तरह की रूकावट आती थी तब तुरंत ही सूचना प्रचार माध्यमों में समाचार जारी कर तकनीकी त्रुटि को ठीक करने में लगने वाला संभावित समय भी बता देते थे। जब सही और गुणवत्तापूर्ण सूचनाएं आगे बढ़ती हैं तो भ्रामक सूचनाएं ठहर नहीं पाती।

संपादक श्री रवि भोई ने कहा कि खबरों की सच्चाई अहम है इससे समझौता नहीं करना चाहिए। भले ही समय लगता हो लेकिन पुष्टि के पश्चात ही खबरे प्रसारित करना चाहिए। संपादक श्री एएन द्विवेदी ने कहा कि सूचनाओं की गुणवत्ता और उनके प्रसारण से पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर बेहद गंभीरता बरतते हुए इन्हें जनसामान्य को प्रेषित किया जाना चाहिए। इसमें छोटी चूक भी बड़ी दुर्घटना का रूप ले लेती है। वरिष्ठ पत्रकार श्री अशोक साहू ने कहा कि पत्रकारिता में विश्वसनीयता के मानदंडों पर यदि काम किया जाए तो किसी तरह की भ्रामक सूचना जाने की आशंका नहीं रहती।

अपर संचालक श्री उमेश मिश्रा ने कहा कि मीडिया की विश्वसनीयता लोकतंत्र का आधार स्तंभ है, इसे किसी भी कीमत पर बनाए रखना जरूरी है। मीडिया को तकनीकी बदलाव के चलते तेजी से फैलती गलत सूचनाओं पर अपनी जिम्मेदारी के साथ-साथ सतर्कता बरतनी होगी।

छत्तीसगढ़ अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में फिर बना चैम्पियन, रचा इतिहास

छत्तीसगढ़ को लगातार 13वीं बार ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ ने अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में एक बार फिर इतिहास रच दिया है। देहरादून में हुई 28वीं अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने 150 मेडल और 578 अंक के साथ लगातार दूसरे वर्ष चैम्पियनशिप अपने नाम की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वन मंत्री केदार कश्यप ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों और टीमों को बधाई देते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए बधाई और शुभकामनाएँ दी है।

उल्लेखनीय है कि 28वीं ऑल इंडिया फ़ॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट 12 नवम्बर से 17 नवम्बर तक देहरादून में आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने 74 गोल्ड, 34 रजत, 42 कांस्य लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ की ओर से इस प्रतियोगिता में भाग लेने 253 सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कई उत्कृष्ट व्यक्तिगत प्रदर्शन भी छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने किया। इनमें सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी निखिल ज़ाल्को ने तैराकी में 5 स्वर्ण, सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी संगीता राजगोपालन बैडमिंटन एवं टेनिस में 4 स्वर्ण, 1 रजत, सर्वश्रेष्ठ एथलीट महिला ओपन थोटा संकीर्तन ने 5 स्वर्ण पदक प्राप्त कर ÷गोल्डन गर्ल का खिताब पाया। इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरुष वेटरन) सुखनंदन लाल ध्रुव ने 5 स्वर्ण, सर्वश्रेष्ठ एथलीट (महिला वेटरन) चारुलता गजपाल 4 स्वर्ण ने पदक प्राप्त किया।

छत्तीसगढ़ ने लगातार 13वीं बार ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। इस खेल-कूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह तथा उत्तराखंड के वन मंत्री सुबोध उनियाल ने संयुक्त रूप से ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की। छत्तीसगढ़ की ओर से यह ट्रॉफी शालिनी रैना ने ग्रहण की। अतिरिक्त मुख्य सचिव ऋचा शर्मा और वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव ने सभी खिलाड़ियों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

राज्य में अवैध परिवहन किए जा रहे 19 हजार 320 क्विंटल धान जब्त

मार्कफेड ने जारी किए 1 से 16 नवंबर तक के आंकड़े

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारम्भ होने के पूर्व से ही प्रदेश में अवैध परिवहन से आने वाले धान की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पिछले एक नवंबर से 16 नवंबर तक लगभग 19 हजार 320 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इस बार मार्कफेड द्वारा राज्य में अवैध परिवहन के जरिए अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ आने वाले धान को रोकने के लिए राज्य के सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट और कलेक्टर की अध्यक्षता में टॉस्कफोर्स भी बनाए गए हैं। इसके साथ ही मार्कफेड में स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था की सतत् निगरानी की जा रही है।

मार्कफेड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले एक नवंबर से 16 नवंबर के अवधि में सीमावर्ती विभिन्न जिलों से छत्तीसगढ़ राज्य में अवैध परिवहन के माध्यम से आने वाले धान में सर्वाधिक महासमुंद जिले में 4266 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इसी प्रकार बलरामपुर जिले में 4139 क्विंटल, सूरजपुर जिले में 1750 क्विंटल, रायगढ़ जिले में 1201 क्विंटल, जशपुर जिले में 1157 क्विंटल, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में 967 क्विंटल, कोण्डागांव जिले में 869 क्विंटल, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 687 क्विंटल, राजनांदगांव 607 क्विंटल, मुंगेली में 490 क्विंटल, बलौदाबाजार में 386 क्विंटल, बिलासपुर में 273 क्विंटल, कोरिया में 253 क्विंटल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 250 क्विंटल, सरगुजा में 240 क्विंटल, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 228 क्विंटल, दंतेवाड़ा में 220 क्विंटल, बस्तर जिले में 218 क्विंटल, सक्ती में 137 क्विंटल, सुकमा में 130 क्विंटल, बालोद में 123 क्विंटल, गरियाबंद में 122 क्विंटल, जांजगीर-चांपा में 119 क्विंटल, कवर्धा में 90 क्विंटल, कोरबा में 85 क्विंटल, रायपुर में 84 क्विंटल, धमतरी में 72 क्विंटल, नारायणपुर में 53 क्विंटल, दुर्ग में 38 क्विंटल, बेमेतरा में 32 क्विंटल, मोहला-मानपुर-चौकी में 27 क्विंटल धान जब्त किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पूर्व प्रदेश में अवैध धान परिवहन और संग्रहण पर सख्त निगरानी जारी रखते हुए आज दो महत्वपूर्ण कार्रवाईयाँ की गई। मार्गफेड के इंटीग्रेटेड कंट्रोल सिस्टम से प्राप्त 600 बैग (231.5 क्विंटल) अवैध धान संबंधी अलर्ट पर तत्काल कार्रवाई करते हुए कोंडागांव जिले की टीम ने मौके पर पहुंचकर धान जप्त किया। सीमावर्ती जिलों में निगरानी बढ़ाए जाने और त्वरित अलर्ट-रिस्पॉन्स सिस्टम की बदौलत अन्य राज्यों से धान की अवैध आमद को रोकने में प्रभावी सफलता मिल रही है।

केंद्रीय कृषि मंत्री के प्रस्तावित कार्यर्₹ म की तैयारियों का वन मंत्री ने किया अवलोकन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन मंत्री श्री केदार कश्यप और जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कल शाम केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के आगामी 19 नवम्बर को निर्धारित धमतरी प्रवास के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान वन मंत्री श्री कश्यप और मंत्री श्री वर्मा ने आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम स्थल डॉ. शोभाराम देवांगन हायर सेकेंडरी स्कूल का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने मंच निर्माण, स्टॉलों की व्यवस्था, पार्किंग स्थल, आगमन मार्ग, अतिथियों के बैठने की व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों का बारिकी से अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मंत्रीद्वय ने हेलीपेड स्थल की व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने अब तक हुई तैयारियों और सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। वन मंत्री श्री कश्यप ने निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम को सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने मंच, प्रवेश मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, पेयजल व्यवस्था और स्टॉलों की सुव्यवस्थित स्थापना पर विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि सभी व्यवस्थाओं में समयबद्धता, स्वच्छता और आगंतुकों की सुविधा को सर्वोपरि रखा जाए।

जल संसाधन विभाग के अमीन भर्ती परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों के लिए जारी हुए विशेष निर्देश

07 दिसम्बर को आयोजित होगी परीक्षा

सूरजपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन पद हेतु आगामी माह 7 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाले भर्ती परीक्षा परीक्षा में अधिक संख्या में परीक्षार्थियों की उपस्थिति को देखते हुए शासन एवं प्रशासन ने परीक्षा को सुचारू, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देश में परीक्षार्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा के एक दिन पूर्व ही अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र का अवलोकन कर लें, जिससे परीक्षा दिवस पर किसी प्रकार की असुविधा न हो। परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम दो घंटे पूर्व केंद्र पर पहुँचना अनिवार्य किया गया है, ताकि फ्रिस्किंग एवं पहचान पत्र से सत्यापन में समय लगने पर भी किसी को परेशानी न हो। परीक्षा का मुख्य द्वार प्रातः 11:30 बजे बंद कर दिया जाएगा। इसके साथ ही ड्रेस कोड का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश जारी किए गए हैं। अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बाँह वाले कपड़े पहनकर आने हेतु कहा गया है। काला, मैरून, जामुनी, गहरा नीला, बैंगनी आदि रंगों के कपड़े प्रतिबंधित रहेंगे। केवल बिना पॉकेट वाले साधारण स्वेटर की अनुमति होगी। धार्मिक या सांस्कृतिक परिधान वाले अभ्यर्थियों को अतिरिक्त सुरक्षा जाँच के लिए समय से पहले उपस्थित होना होगा। परीक्षा केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पर्स, बेल्ट, आभूषण, घड़ी आदि पूर्णतः वर्जित रहेंगे। अभ्यर्थी केवल काले या नीले बॉल प्वाइंट पेन लेकर ही प्रवेश कर सकेंगे।

भैरमगढ़ में दो ठिकानों पर 350 बोरी अवैध धान जप्त, प्रशासन की सख्त कार्रवाई जारी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर 15 नवंबर से धान खरीदी सुचारू रूप से जारी है। इसी बीच जिला प्रशासन अवैध धान के भंडारण और परिवहन पर विशेष सतर्कता बरत रहा है। बीजापुर जिला महाराष्ट्र और तेलंगाना की सीमाओं से घिरा होने के कारण, अन्य राज्यों से अवैध धान के प्रवेश की संभावना को देखते हुए सभी अंतरराज्यीय चेक पोस्टों पर 24 घंटे निगरानी हेतु कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

इसी सघन जांच अभियान के तहत भैरमगढ़ के एक कॉम्प्लेक्स में निवासी राशि रमन पटेल एवं राजा मिश्रा के कब्जे से करीब 350 बोरी अवैध धान जप्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार भैरमगढ़, फूड इंस्पेक्टर और मंडी निरीक्षक मौके पर मौजूद रहे। धान की जांच कर उसे प्रशासन ने अपने कब्जे में लिया और नियमानुसार कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समर्थन मूल्य पर खरीदी के इस महत्वपूर्ण काल में अवैध धान के लेनदेन पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा